



# विश्व के सरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल गुलवीर ने लगाई मेडल की हैट्रिक, 5000 मीटर दौड़ ...

@ विचार एससी/एसटी एक्ट 1989: सामाजिक न्याय ...

@ व्यापार सेंसेक्स 243 अंक फिसला निफ्टी ...

## स्वबर झरोखा

आईपीएल 2027: चेन्नई सुपर किंग्स ने मोहित शर्मा को अहम जिम्मेदारी



नई दिल्ली। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज मोहित शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ साथ बतौर बॉलिंग कोच जुड़ने वाले हैं। मोहित ने एक खिलाड़ी के तौर पर इस फ्रैंचाइजी के लिए चार सीजन खेले हैं। उम्मीद है कि 38 वर्षीय मोहित शर्मा, एरिक सिमंस की जगह यह पद संभालेंगे।

क्षतिग्रस्त मकान पर सरकार देगी 1.20 लाख का मुआवजा

जगदलपुर( अर्जुन कुमार झा ) । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अतिवृष्टि एवं बाढ़ प्रभावित बस्तर संभाग के बस्तर और सुकमा जिलों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ और बारिश में पूर्णतः क्षतिग्रस्त प्रत्येक मकान के पुर्ननिर्माण के लिए 1 लाख 20 हजार रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। साथ ही मुख्यमंत्री राहत कोष से भी 10-10 रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। क्षतिग्रस्त फसलों और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों का भी मुआवजा दिया जाएगा।

## एशियान गेम्स: भारत की बेटियों ने लहराया तिरंगा

4×400 मीटर रिले में जीता 'गोल्ड', विथ्या ने लगाई 'हैट्रिक'



एजेंसी ■ नागोया

विथ्या रामराज ने 'एशियन गेम्स 2026' में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को महिलाओं की 4×400 मीटर रिले में भारत को गोल्ड जिताने में अहम भूमिका निभाई। किरण पहल, एमआर पूवम्मा, प्राची और विथ्या की भारतीय जोड़ी ने (3:29.69 सेकंड) के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। बहरीन 3:30.21 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जो भारत से सिर्फ 0.52 सेकंड पीछे था, जबकि चीन 3:31.02 के समय के साथ पॉडियम पर तीसरे स्थान पर रहा। जापान 3:31.44 के समय के साथ चौथे स्थान पर

रहा, और उसके बाद वियतनाम, कजाकिस्तान, श्रीलंका और चीनी ताइपे रहे। भारत ने लेन छह से रिले की शुरुआत की और किरण को शुरुआती लेग की जिम्मेदारी सौंपी गई। स्पिटर किरण ने तीसरे स्थान पर बैटन को पास किया, जिससे पूवम्मा पर अंतर को कम करने की जिम्मेदारी आ गई। अनुभवी पूवम्मा ने दूसरे लेग में शानदार प्रदर्शन किया और भारत को आगे की दौड़ में शामिल किया। इसके बाद उन्होंने प्राची को बैटन सौंपा, जो पहले ही 400 मीटर में व्यक्तिगत ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी थीं। प्राची ने भारत को मेडल की

दौड़ में मजबूती से बनाए रखते हुए यह सुनिश्चित किया कि विथ्या को एंकर लेग के लिए अच्छी स्थिति में बैटन मिले। इसके बाद आखिरी लेप विथ्या के नाम रहा। विथ्या ने जल्द ही अपनी लय पकड़ ली और आगे चल रही धावकों से अंतर कम करना शुरू कर दिया। 200 मीटर के निशान के आसपास विथ्या ने अपनी गति तेज की। हालांकि, बहरीन की साल्वा ईद नासर ने पूरी ताकत से पोछा किया और धीरे-धीरे अंतर को कम किया, लेकिन विथ्या ने फाइनल लेग की शुरुआत में ही इतनी बढत बना ली थी कि वे इस चुनौती का सामना कर सकें। विथ्या ने दौड़ के आखिरी हिस्से में अपना संयम बनाए रखा और

सबसे पहले फिनिश लाइन पर की।

यह एशियन गेम्स 2026 में विथ्या का तीसरा मेडल था। इससे पहले वे अपने अन्य इवेंट्स में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी थीं। ठीक एक दिन पहले, उन्होंने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में दशकों पुराना नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा था।

विथ्या के लिए, रिले में मिला गोल्ड मेडल उनके शानदार तीन-मेडल वाले सफर का बेहतरीन समापन था। फाइनल में उनके प्रदर्शन ने उन खेलों में एक और यादगार पल जोड़ा, जिनमें उन्होंने पहले ही भारत की बेहतरीन ट्रेक एथलीट्स में से एक के तौर पर अपनी पहचान बना ली थी।



## शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय महासमुंद के छात्र-छात्राएं बुनियादी सुविधाओं से वंचित

संवाददाता ■ रायपुर

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय महासमुंद में नए मेडिकल कॉलेज और छात्रावास का निर्माण कार्य काफी विलंब से चल रहा है इस वजह से अधूननरत मेडिकल छात्र-छात्राओं को बुनियादी सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा है वही अध्ययन के लिए छात्र-छात्राओं को मेडिकल कॉलेज भवन के अलावा अन्य स्थानों पर प्रशिक्षण के लिए आना जाना पड़ता है जो की जोखिम भरा होता है वजह है कि गैर रिहायशी क्षेत्र में छात्र-छात्राओं को आना जाना होता है जो दुर्गम इलाके होते हैं और जोखिम भरे होते हैं ऐसे में सवाल यह है कि मेडिकल कॉलेज का नया भवन कब तैयार होकर छात्र-छात्राओं को सुविधा के तौर पर मिल पाएगा यह एक विचारणीय प्रश्न है कई बार शासन के अधिकृत अधिकारियों को मेडिकल के छात्र-छात्राओं ने समस्या से अवगत कराया है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार महाविद्यालय प्रारंभ हुए लगभग तीन वर्ष हो चुके हैं, किंतु आज तक नए मेडिकल कॉलेज परिसर एवं



छात्रावास (हॉस्टल) का निर्माण पूर्ण नहीं हो पाया है। बार-बार निर्माण शीघ्र पूरा होने का आश्वासन दिया जाता है, लेकिन आज भी विद्यार्थियों को उसका लाभ प्राप्त नहीं हुआ है। हॉस्टल सुविधा उपलब्ध न होने के कारण दूर-दराज से आने वाले विद्यार्थियों को निजी किराए के मकानों में रहना पड़ रहा है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। विशेष रूप से छात्राओं को सुरक्षित एवं उपयुक्त आवास न मिलने से अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

इसके अतिरिक्त, स्थायी मेडिकल कॉलेज भवन उपलब्ध न होने के कारण प्रत्येक वर्ष विद्यार्थियों

की कक्षाएं अलग-अलग गांवों एवं विभिन्न स्थानों पर संचालित की जाती हैं। इससे विद्यार्थियों को प्रतिदिन लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, समय की हानि होती है तथा पढ़ाई गंभीर रूप से प्रभावित होती है। विशेषकर छात्राओं को आवागमन और सुरक्षा से जुड़ी अतिरिक्त समस्याओं का सामना करना पड़ता है। चिकित्सा शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में ऐसी परिस्थितियों विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर, मानसिक एकाग्रता तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं। लंबे समय से समस्या बने रहने के बावजूद इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया है।

## मूसलाधार बारिश से 50 साल का रिकॉर्ड टूटा

833 लोगों का रेस्क्यू, 65 शिविरों में 8,894 लोग



जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

बस्तर में चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के असर से हुई मूसलाधार बारिश के कारण इंद्रावती नदी का जलस्तर 50 साल में सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। नदी का पानी 12.39 मीटर तक पहुंच गया, जो 9 जुलाई 1973 को दर्ज 12.18 मीटर के पुराने रिकॉर्ड से 21 सेंटीमीटर ज्यादा है। जगदलपुर में बाढ़ से हुई तबाही में कई निचले इलाके पानी से घिरे हुए हैं।

केंद्रीय जल आयोग की एडवाइजरी के बाद प्रशासन ने फिर

अलर्ट जारी किया है। अपस्ट्रीम से पानी की आवक और जलाशयों से छोड़े जा रहे पानी के कारण आज (29 सितंबर) जगदलपुर में इंद्रावती का जलस्तर 60 सेंटीमीटर से एक मीटर तक और बढ़ सकता है। इंद्रावती नदी का खतरे का स्तर 8.3 मीटर है। इसके मुकाबले नदी का जलस्तर 12.39 मीटर तक पहुंचने से तटीय और निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई थी।

बोड़ना और भेजापदर जैसे गांव पानी से घिर गए और सड़क संपर्क टूट गया।

## हार की समीक्षा करने के बजाय चुनाव आयोग पर हमला कर रही कांग्रेस: स्मृति ईरानी



एजेंसी ■ नई दिल्ली

भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस और उसके नेतृत्व पर संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करने का आरोप लगाया।

स्मृति ईरानी ने कहा कि 2019 में कांग्रेस ने तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा था कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि खराब करने का भरसक

प्रयास करेंगे। इस पर पीएम मोदी ने बार-बार कहा था कि मुझ पर कटाक्ष करें, मुझ पर हमला करें, लेकिन कांग्रेस का यह हमला संवैधानिक संस्थाओं और भारत के लोकतंत्र पर हमला में तब्दील नहीं होना चाहिए। कांग्रेस का नेतृत्व देश की संवैधानिक व्यवस्था को तार-तार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। आज कांग्रेस नेतृत्व ने कहा कि चुनाव आयोग को

सवालों के घेरे में लाने के लिए उनके कार्यकर्ताओं का महिमामंडन किया जा रहा है।

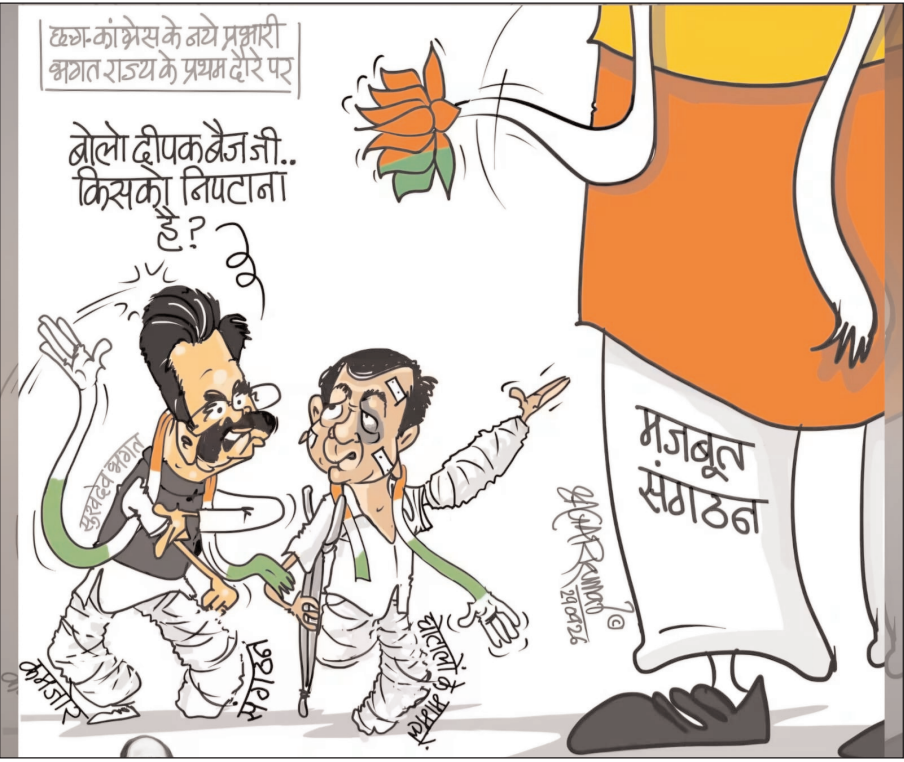
भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस अपने प्रदर्शन की समीक्षा करने के बजाय चुनाव आयोग पर हमला कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि हिमाचल प्रदेश, पंजाब, केरल और कर्नाटक में जहां भाजपा सत्ता में नहीं है, क्या वहां कांग्रेस नेतृत्व चुनाव आयोग को क्लीन चिट दे रहा है या वहां भी उसके मन में सवाल हैं। ईरानी ने कहा कि एक नागरिक के तौर पर वह कहना चाहती हैं कि चुनाव आयोग भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करता है और यह भारत के लोकतंत्र का मान है, जिसकी कई देशों ने सराहना की है और सम्मान किया है।

जम्मू-कश्मीर: सीआईएसएफ कैप में फायरिंग में 4 की मौत



कठुआ। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के बसोली क्षेत्र के सीआईएसएफ कैप में फायरिंग का मामला सामने आया है। मशका के सेवा प्रोजेक्ट में तैनात सीआईएसएफ कर्मियों के बीच कथित तौर पर हुई बहस के बाद गोलीबारी की घटना हुई है।

इस घटना में सीआईएसएफ के चार जवान की मौत हो गई है। असिस्टेंट कमिंडेंट अंकित कुमार पांडे, एसआई लक्ष्मण सिंह, कॉन्स्टेबल रफीक अहमद और कॉन्स्टेबल संदीप कुमार की मौत हुई है। सीआईएसएफ कर्मियों पर गोली चलाने वाले आरोपी की पहचान सीआईएसएफ कर्मी अभिदेव सिंह के तौर पर हुई है। फिलहाल घटनास्थल पर पुलिस पहुंच गई है।



एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री द्वारा 51वीं प्रगति बैठक के दौरान दिए गए निर्देशों के अनुपालन में आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत प्रगति-50 पहल के अंतर्गत 50 मॉडल शहरों की पहचान की है। इन शहरों में छत्तीसगढ़ के रायपुर और बिलासपुर नगर निगम भी शामिल हैं। देश के 24 राज्यों के इन 50 शहरों में लक्षित, प्रमुख प्रदर्शन संकेतक आधारित कार्ययोजना तथा तकनीक-सक्षम गहन निगरानी के माध्यम से स्वच्छता के उच्च मानक स्थापित किए जाएंगे।

पहल का उद्देश्य शहरी स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, प्रयुक्त जल प्रबंधन, स्वच्छता सुविधाओं और



नागरिक भागीदारी में स्पष्ट एवं निरंतर सुधार लाना है। इसके लिए निर्धारित समय-सीमा में संरचित निगरानी और समीक्षा व्यवस्था लागू की जाएगी।

पहल के शुभारंभ के अवसर पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि 24 राज्यों के ये 50 शहर देश के अन्य शहरों के

लिए स्वच्छता के आदर्श शहर के रूप में उभरेंगे। उन्होंने कहा कि इन शहरों को नियमित स्वच्छता कार्यों से आगे बढ़कर दृश्य स्वच्छता के सतत और उच्च प्रदर्शन मानकों को प्रदर्शित करना होगा। उन्होंने बताया कि इस पहल में प्रमुख शहरों, सांस्कृतिक महत्व वाले शहरों, प्रमुख पर्यटन

स्थलों और आर्थिक केंद्रों को शामिल किया गया है। प्रगति की निरंतर समीक्षा परिणाम आधारित आकलन और तकनीक-सक्षम निगरानी के माध्यम से की जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह स्वयं प्रत्येक दो माह में समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता कर इन शहरों की प्रगति की निगरानी करेंगे।

आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि पिछले एक दशक में स्वच्छता जन आंदोलन से आगे बढ़कर जीवनशैली का हिस्सा बन गई है। उन्होंने कहा कि नई मॉडल सिटी पहल निर्धारित समय-सीमा में शहरों को गार्बेज फ्री सिटी के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ाने में मदद करेगी और उन्हें अन्य शहरी क्षेत्रों के लिए आदर्श बनाने में सक्षम बनाएगी।



कार्डियक अरेस्ट में शुरुआती मिनट बेहद महत्वपूर्ण, सही समय पर सीपीआर से बच सकती है जान

कार्डियोलॉजी विभाग ने मरीजों एवं परिजनों को दिया सीपीआर का प्रशिक्षण

विश्व केसरी

रायपुर। अचानक होने वाला कार्डियक अरेस्ट किसी भी व्यक्ति के लिए जानलेवा आपात स्थिति साबित हो सकती है। ऐसे समय में अस्पताल पहुंचने से पहले यदि आसपास मौजूद व्यक्ति सही तरीके से सीपीआर दे सके, तो मरीज की जान बचाने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है। इसी उद्देश्य से डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित एसीआई के कार्डियोलॉजी विभाग द्वारा मरीजों एवं उनके परिजनों को सीपीआर (Cardiopulmonary Resuscitation) तकनीक का प्रशिक्षण देते हुए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर अम्बेडकर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर, मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. देवप्रिया लकड़ा, कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव समेत अन्य चिकित्सक और चिकित्सा छात्र मौजूद रहे।

प्रशिक्षण के दौरान कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव ने बताया



कि कार्डियक अरेस्ट ( अचानक हृदय गति रुकना) की स्थिति में शुरुआती कुछ मिनट बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। मरीज के अचानक बेहोश होने और सामान्य रूप से सांस न लेने की स्थिति को पहचानना, तत्काल आपातकालीन सहायता के लिए सूचना देना तथा आवश्यकता होने पर सीपीआर शुरू करना महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को छती पर सही स्थान और उचित तरीके से दबाव देने, सीपीआर की प्रक्रिया, मरीज की स्थिति पहचानने तथा समय पर आपातकालीन चिकित्सा सहायता लेने के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण को व्यावहारिक बनाने के लिए सीपीआर की तकनीक का प्रदर्शन भी किया गया, ताकि मरीजों और उनके परिजन आपात स्थिति में घबराते के बजाय सही तरीके से प्राथमिक जीवनरक्षक सहायता प्रदान कर सकें।

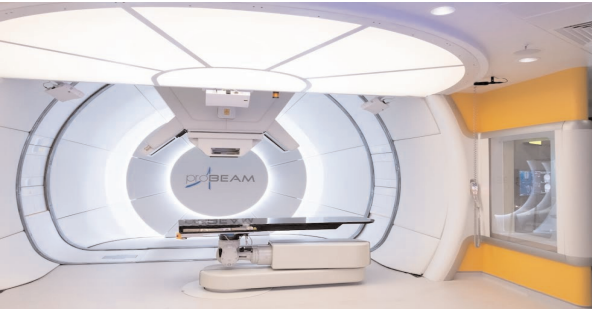
मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. देवप्रिया लकड़ा ने बताया कि कार्डियक अरेस्ट में हर मिनट महत्वपूर्ण होता है। समय पर शुरू किया गया सीपीआर रक्त संचार बनाए रखने में मदद करता है और चिकित्सा सहायता मिलने तक मरीज के जीवन को बचाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

प्रोटॉन थेरेपी से भारत में कैंसर उपचार को नई दिशा, विदेश जाने की जरूरत नहीं

एसीटीआरईसी में अत्याधुनिक तीन-गैट्री सुविधा, अब तक सैकड़ों मरीजों को मिला उपचार

विश्व केसरी

रायपुर। कभी जटिल और संवेदनशील कैंसर के लिए प्रोटॉन थेरेपी कराने के इच्छुक भारतीय मरीजों को विदेश का रुख करना पड़ता था। अत्यधिक महंगे इस उपचार की सुविधा दुनिया के चुनिंदा देशों में ही उपलब्ध थी। अब भारत में ही यह अत्याधुनिक उपचार उपलब्ध है और नवी मुंबई के खारघर स्थित एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (एसीटीआरईसी) ने इसे सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध करारक कैंसर उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। चेन्नई में निजी क्षेत्र के अपोलो प्रोटॉन कैंसर सेंटर के साथ एसीटीआरईसी देश में प्रोटॉन



थेरेपी उपलब्ध कराने वाले प्रमुख केंद्रों में शामिल है।

छत्तीसगढ़ से आए पत्रकारों के प्रतिनिधिमंडल को एसीटीआरईसी की सुविधाओं और भविष्य की योजनाओं की जानकारी देते हुए रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुज ने बताया कि संस्थान कैंसर उपचार

की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ अत्याधुनिक तकनीक, अनुसंधान और चिकित्सा शिक्षा को भी व्यापक स्तर पर मजबूत कर रहा है। परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार के अधीन टाटा मेमोरियल सेंटर का महत्वपूर्ण संस्थान एसीटीआरईसी नवी मुंबई के खारघर में स्थित है।

युवा केवल नौकरी मांगने वाले नहीं, रोजगार देने वाले बनें : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्वलेव-2026 में युवाओं और स्टार्टअप उद्यमियों से किया सीधा संवाद

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की युवा शक्ति प्रदेश की भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के युवा केवल रोजगार तलाशने वाले नहीं, बल्कि अपने कौशल, नवाचार और उद्यमिता के बल पर रोजगार के नए अवसर पैदा करने वाले बनें। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में युवाओं, नवाचारकर्ताओं और स्टार्टअप की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। राज्य सरकार युवाओं के विचारों को नवाचार और नवाचार को सफल उद्यम में बदलने के लिए आवश्यक वातावरण, अद्योसरचना, तकनीकी सहयोग



और प्रोत्साहन उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक मंडपम में आयोजित तीन दिवसीय 'यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्वलेव-2026' में प्रदेशभर से आए विद्यार्थियों, युवा

नवाचारकर्ताओं और स्टार्टअप उद्यमियों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज का युवा केवल अवसर की प्रतीक्षा करने वाला युवा नहीं है, बल्कि अपनी प्रतिभा से नए अवसर गढ़ने का सामर्थ्य रखता है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र- ३)

... : शहर नगर पाली रेली के नीचे, रायपुर :-

Email ID - [rmczone3@gmail.com](mailto:rmczone3@gmail.com)

पत्र क्रं /...35642.../ न. पा. नि. /

जोन क्रं 3/2026

रायपुर, दिनांक 24-09-2026

इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35642

वाई का नाम 48 - गुप्त घासीदास वाई

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 48 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR344H00699 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती RAM KUMAR CHANDRAKAR पिता/पति श्री/श्रीमती LT. KISHUN LAL CHAN-DRAKAR के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती NARENDRA KUMAR CHANDRAKAR पिता/पति श्री/श्रीमती SWA. DASHRATH LAL CHANDRAKAR ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / malna bikri nama, shaphatpatra, aadhar card / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत दाय आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह (जोन कमिश्नर)

जोन (3)

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र- ३)

... : शहर नगर पाली रेली के नीचे, रायपुर :-

Email ID - [rmczone3@gmail.com](mailto:rmczone3@gmail.com)

पत्र क्रं /...35752.../ न. पा. नि. /

जोन क्रं 3/2026

रायपुर, दिनांक 28-09-2026

इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35752

वाई का नाम 29 गुप्त गोविन्द सिंह वाई

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 29 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR334E00253 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SATYAM DWIVEDI S/O SUNDER LAL, NB SAR-VAJ DWIVEDI S/O SATYAM DWIVEDI पिता/पति श्री/श्रीमती SUN-DER LAL DWIVEDI, SATYAM DWIVEDI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमती तन्वीर मल्लिकानी पिता /पति श्री श्रीमती श्री तोगिक भाई सुलतानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत दाय आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्ता स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह (जोन कमिश्नर)

जोन (3)

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र- ३)

... : शहर नगर पाली रेली के नीचे, रायपुर :-

Email ID - [rmczone3@gmail.com](mailto:rmczone3@gmail.com)

पत्र क्रं /...35646.../ न. पा. नि. /

जोन क्रं 3/2026

रायपुर, दिनांक 25-09-2026

इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35646

वाई का नाम 30 - शंकर नगर वाई

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 30 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR331D00322 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती RAMKHLAWAN SONI पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती तोषण सोनी पिता /पति श्री श्रीमती स्व. रामखिलवान सोनी ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SAHMATI PATRA SHA PATH PATRA MRITU PRA-MAN PATRA / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत दाय आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह (जोन कमिश्नर)

जोन (3)

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र- ३)

... : शहर नगर पाली रेली के नीचे, रायपुर :-

Email ID - [rmczone3@gmail.com](mailto:rmczone3@gmail.com)

पत्र क्रं /...35791.../ न. पा. नि. /

जोन क्रं 2/2026

रायपुर, दिनांक 29-09-2026

इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35791

वाई का नाम 13 - राजीव गांधी वाई

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 13 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR222E00095 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MRS. KUSUM BAI JAIN पिता / पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री रासकुमार जैन पिता/पति श्री श्रीमती स्व. मूलचंद जैन ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत वसीयत नामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत दाय आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्ता स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री संतोष पाण्डेय (जोन कमिश्नर)

जोन (2)

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र- ३)

... : शहर नगर पाली रेली के नीचे, रायपुर :-

Email ID - [rmczone3@gmail.com](mailto:rmczone3@gmail.com)

पत्र क्रं /...35792.../ न. पा. नि. /

जोन क्रं 2/2026

रायपुर, दिनांक 29-09-2026

इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35792

वाई का नाम - 35 - हवलदार अब्दुल हमीद

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 35 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR436H00254 जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती MAHESH KUMAR JHUNJUNWALA पिता/पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती पाखी महावर पिता/पति श्री श्रीमती श्री छगन लाल महावर ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विलेख के अनुसार / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत दाय आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री संतोष पाण्डेय (जोन कमिश्नर)

जोन (2)

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र- ३)

... : शहर नगर पाली रेली के नीचे, रायपुर :-

Email ID - [rmczone3@gmail.com](mailto:rmczone3@gmail.com)

पत्र क्रं /...35751.../ न. पा. नि. /

जोन क्रं 7/2026

रायपुर, दिनांक 29-09-2026

इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35751

वाई का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वाई

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR715C00181 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती, SEMFANI INSTRUCUTURE PVT. LTD. HARPAL SINGH ARORA पिता/पति श्री श्रीमती SEVAK SINGH ARORA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती . मोहम्मद शहाबुद्दीन पिता मोहम्मद निजामुद्दीन 2. मोहम्मद ताजुद्दीन पिता मोहम्मद निजामुद्दीन पिता /पति श्री/श्रीमती .....ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत दाय आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी (जोन कमिश्नर)

जोन (7)

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र- ३)

... : शहर नगर पाली रेली के नीचे, रायपुर :-

Email ID - [rmczone7@gmail.com](mailto:rmczone7@gmail.com)

पत्र क्रं /...35768.../ न. पा. नि. /

जोन क्रं 7/2026

रायपुर, दिनांक 29-09-2026

इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35768

वाई का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वाई

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR715E00336 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती PRAKASH CHAND AWASTHI पिता / पति श्री श्रीमती RAMKUMAR AWASTHI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती सावित्रा अग्रवाल पिता/पति श्री श्रीमती अग्रवाल पति नितिन अग्रवाल पिता/पति श्री/श्रीमती.....ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत दाय आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी (जोन कमिश्नर)

जोन (7)

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र- ३)

... : शहर नगर पाली रेली के नीचे, रायपुर :-

Email ID - [rmczone7@gmail.com](mailto:rmczone7@gmail.com)

पत्र क्रं /...35776.../ न. पा. नि. /

जोन क्रं 7/2026

रायपुर, दिनांक 29-09-2026

इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35776

वाई का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वाई

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 38 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR715D00197 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती, SANGEETA NIMONKAR JAIDEEP NIMONKAR पिता/पति श्री श्रीमती JAI DEEP NIMONKAR VIJAY KUMAR के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती सावित्रा जोगलेकर पिता/पति श्री श्रीमती स्व.सत्यनंद यशवंत जोगलेकर ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत दाय आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी (जोन कमिश्नर)

जोन (7)

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुस्लिम समाज को शिक्षा, कौशल और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने पर जोर – डॉ. सलीम राज



विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त डॉ. सलीम राज की अध्यक्षता में आयोजित प्रेस वार्ता में मदरसा शिक्षा, नई शिक्षा नीति, अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों, मुस्लिम समाज के विकास तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न नीतियों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के चेयरमैन मोहम्मद शादाब शम्स भी उपस्थित रहे।

मीडिया से बातचीत करते हुए डॉ. सलीम राज ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक विकास के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं में लाभ मुस्लिम समाज सहित सभी पात्र नागरिकों तक पहुंचाना आवश्यक है और मुस्लिम समाज को भी इन अवसरों का अधिक से अधिक लाभ उठकर आगे बढ़ना चाहिए।



# रायपुर में होगा एयर शो, ‘आकाशगंगा’ टीम पैराशूट जंप से दिखाएगी कौशल

**विश्व केसरी■**  
रायपुर ( संवाददाता )। राजधानी रायपुर में एक बार फिर से एयर शो का आयोजन किया जाएगा। राज्योत्सव में राज्योत्सव के दौरान आकाशगंगा टीम पैराशूट जंप का कौशल दिखाएंगी। साथ ही भारतीय वायुसेना की सारंग टीम छह हेलीकॉप्टरों से एयरोबेटिक प्रदर्शन करेगी।  
दरअसल, 2 नवंबर 2026 को नवा रायपुर के आसमान में भारतीय वायुसेना का खास प्रदर्शन होगा। वायुसेना की ‘सारंग’ हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम छह हेलीकॉप्टरों के साथ एयरोबेटिक शो पेश करेगी। वहीं ‘आकाशगंगा’ पैराशूट डिस्प्ले टीम के प्रशिक्षित पैराट्रुप्स पैराशूट जंप के जरिए अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में वायुसेना के 100 से अधिक अधिकारी और जवान शामिल होंगे।  
**छह हेलीकॉप्टर बनाएंगे आसमान में फॉर्मेशन**  
भारतीय वायुसेना की ‘सारंग’ टीम छह हेलीकॉप्टरों के साथ एयरोबेटिक प्रदर्शन करेगी। इसके अलावा वायुसेना के तीन अन्य हेलीकॉप्टर भी कार्यक्रम में शामिल होंगे।



वायुसेना के अधिकारियों के मुताबिक, सारंग छह हेलीकॉप्टरों के साथ एयरोबेटिक प्रदर्शन करने वाली विश्व की इकलौती हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम है। टीम के हेलीकॉप्टर अलग-अलग फॉर्मेशन बनाते हुए आसमान में करतब दिखाएंगे।  
**क्या है सारंग टीम**  
सारंग टीम स्वदेशी एडवॉंस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (ALH) ‘ध्रुव’ के जरिए अपने कौशल का प्रदर्शन करती है। ‘सारंग’ का अर्थ मोर है और टीम के हेलीकॉप्टरों की रंग-सज्जा भी मोर की थीम से प्रेरित है। टीम देश और अंतरराष्ट्रीय एयर शो में भारतीय वायुसेना के पायलटों की दक्षता, अनुशासन और समन्वय के साथ भारत की स्वदेशी विमान क्षमता का प्रदर्शन करती रही है।  
**आसमान से पैराशूट जंप करेगी आकाशगंगा टीम**  
कार्यक्रम में भारतीय वायुसेना की ‘आकाशगंगा’ पैराशूट डिस्प्ले टीम भी प्रदर्शन करेगी। प्रशिक्षित पैराट्रुप्स आसमान से छलांग लगाकर पैराशूट के जरिए अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। सारंग के

ट्रैफिक और पार्किंग पर फोकस  
कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए ट्रैफिक और पार्किंग की पुख्ता कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पार्किंग स्थलों का व्यवस्थित निर्धारण और कार्यक्रम स्थल तक लोगों के सुगम आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। लोक निर्माण विभाग को वन विभाग और अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर जल्द के अनुसार बैरिकेडिंग करने के निर्देश दिए गए हैं।  
**बीडू के लिए विस्तृत कार्ययोजना**  
यातायात और बीडू प्रबंधन के लिए भी विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि राज्योत्सव के अवसर पर भारतीय वायुसेना का यह प्रदर्शन छत्तीसगढ़वासियों के लिए विशेष आकर्षण होगा। उन्होंने कहा कि रायपुर इस आयोजन की मेजबानी करेगा और रायपुरवासी वायुसेना के जवानों तथा कार्यक्रम का उत्सव की तरह स्वागत किया गया।

# जर्जर सड़कों को लेकर मरदा से लवण तक पैदल मार्च



**विश्व केसरी■**  
बलौदाबाजा-लवन (ताराचंद कठोत्रे)। लवन-मरदा एवं लवन-सरखोर मार्ग की जर्जर स्थिति को लेकर बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में मंगलवार को मरदा से लवन तक पैदल मार्च किया गया। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने लवन तहसीलदार पेखन टोंडरे को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर दोनों मार्गों के शीघ्र निर्माण एवं सुधार की मांग की।  
बसपा कार्यकर्ताओं ने सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर पुलिस थाना स्टॉप से राकेश पाटले, एवं सरिता यादव तैनात रहे। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से स्थानीय विधायक संदीप साहू की कार्यशैली पर सवाल उठाए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि लंबे समय से जर्जर मार्ग के कारण ग्रामीणों और राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।  
ज्ञापन में सड़क निर्माण की दिशा में शीघ्र आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की गई। बसपा पदाधिकारियों ने कहा कि मार्ग की समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने तक वे जनहित से जुड़े इस मुद्दे को उठाते रहेंगे। इस दौरान लवन पुलिस थाना स्टॉप से राकेश पाटले, एवं सरिता यादव तैनात रहे। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष प्रहलाद साहू, विधान सभा अध्यक्ष राजकुमार डहरिया, जिला अध्यक्ष डेहरा डहरिया, अश्वनी सोनवानी (प्रतिनिधि जनपद सदस्य), रवि रविन्द्र, बरातू बंजारे, डॉक्टर नोहर दास भारद्वाज, प्रेम भास्कर, रामकुमार खूटे, दुर्गा टंडन, आकाश डहरिया, भारत कुर्र, पुरन बंजारे, दोरी नवरंगे, महेश्वर चेलक, गजानंद यादव, अशोक ठाकुर, पंचराम बघेल, अजय डहरिया, रामगोपाल रात्रे, लक्ष्मीनारायण साय, काशीराम रात्रे, तोमन, ईश्वर, संजय बंदे, इंद्रपाल, नकुल बांधे, सुशील, राजेश सहित बड़ी संख्या में पार्टी के महिलाएं एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# बिलाईगढ़ ब्लॉक स्तरीय सेवा संकल्प अभियान व सेवा सेतु शिविर का आयोजन

**विश्व केसरी■**  
भटगांव (रामदास कुर्र)। सेवा संकल्प अभियान व सेवा सेतु शिविर का आयोजन बिलाईगढ़ ब्लॉक स्तरीय सेवा संकल्प शिविर का आयोजन टुण्ड्री में खाद्य विभाग द्वारा किया गया जहां छोटे-छोटे समस्याओं को तत्काल निराकरण भी किया गया जिसमें केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक राशन कार्ड धारी को मुक्त में दिए जा रहे राशन कार्ड सामग्री का प्रमुखता रूप से बताया गया इस शिविर के माध्यम से यह ई केवाईसी आर अगुटा का निशान नहीं आ रहा तो आखों से भी ई केवाईसी किया जा सकता के संबंध में जानकारी दिया



गया तथा आदिवासी परिवार को राशन सामग्री के साथ प्रति कार्ड धारी को चना दिए जाने के संबंध में जानकारी दिया गया जो जमीनी स्तर में लागू है इस सेवा संकल्प अभियान सेवा सेतु कार्यक्रम में दिया गया इस शिविर मे आसपास के ग्रामीण ने उत्साह के साथ भाग लिया जिनमें महिलाओं ने सबसे ज्यादा भाग लिया इस कार्यक्रम में विभव अग्रवाल आवर सचिव खाद्य विभाग गणेश कुर्र जिला खाद्य विभाग प्रबंधक सारंगढ़ बिलाईगढ़ श्याम कश्यप जिला नागरिक आपूर्ति निगम सारंगढ़ बिलाईगढ़ अमित शुक्ला सहायक खाद्य अधिकारी सुशीला साहू जिला जनपद अध्यक्ष सदस्य भगतवी कुंज राम पटेल जिला पंचायत सभापति मोहन पटेल जनपद सदस्य सोहन साहू सरपंच प्रतिनिधि टुंड्री आदि प्रमुख प्रतिनिधि ने प्रमुखता से भाग लेकर सेवा संकल्प कार्य को सफल बनाया गया।

# छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी सांसद सुखदेव भगत से मिले जनप्रतिनिधि

**विश्व केसरी■**  
नगरी (हिमांशु यादव)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त प्रभारी एवं लोकसभा सांसद सुखदेव भगत के प्रभारी बनने के बाद प्रथम छत्तीसगढ़ आगमन पर कांग्रेस नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने उनसे भेंट कर स्वागत किया। इसी क्रम में सिहावा विधानसभा क्षेत्र की विधायक अंबिका मरकाम ने सुखदेव भगत से आत्मीय मुलाकात की और उनका स्वागत करते हुए सिहावा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस संगठन की वर्तमान स्थिति तथा संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की।



मुलाकात के दौरान सिहावा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर तक प्रभावी बनाने, कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संवाद, बृथ एवं सेक्टर स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करने तथा सभी वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने सहित विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। विधायक अंबिका मरकाम ने सिहावा विधानसभा क्षेत्र की भौगोलिक एवं सामाजिक परिस्थितियों तथा विधानसभा क्षेत्र

में कांग्रेस संगठन की गतिविधियों की जानकारी प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत के समक्ष रखी। उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न ब्लॉकों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी कार्यकर्ताओं की सक्रियता, स्थानीय स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों तथा जनता से जुड़े विषयों को संगठन के माध्यम से सामने रखने की आवश्यकता पर भी चर्चा की। सुखदेव भगत ने संगठन से जुड़े विषयों पर विधायक अंबिका मरकाम से जानकारी ली तथा सिहावा विधानसभा क्षेत्र की संगठनात्मक गतिविधियों और कार्यकर्ताओं से जुड़े विषयों पर संवाद किया।

# शिक्षा के क्षेत्र में आरके कुमार की बड़ी उपलब्धि

**विश्व केसरी■**  
बसना (अशोक प्रधान)। बसना विकास खण्ड अन्तर्गत भंवरपुर अंचल में वर्ष 2015 से शिक्षा के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय संगोष्ठी सह सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। उनकी इस उपलब्धि से न्यू लाइफ मॉडल स्कूल परिवार सहित पूरे भंवरपुर अंचल में हर्ष एवं गौरव का वातावरण है।  
वर्ष 2015 से शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय आर.के. कुमार ने क्षेत्र में शैक्षणिक जागरूकता बढ़ाने, विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, नवा रायपुर के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय संगोष्ठी सह सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। उनकी इस उपलब्धि से न्यू लाइफ मॉडल स्कूल परिवार सहित पूरे भंवरपुर अंचल में हर्ष एवं गौरव का वातावरण है।  
वर्ष 2015 से शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय आर.के. कुमार ने क्षेत्र में शैक्षणिक जागरूकता बढ़ाने, विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, नवा रायपुर के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय संगोष्ठी सह सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। उनकी इस उपलब्धि से न्यू लाइफ मॉडल स्कूल परिवार सहित पूरे भंवरपुर अंचल में हर्ष एवं गौरव का वातावरण है।



को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, नवा रायपुर के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय संगोष्ठी सह सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। उनकी इस उपलब्धि से न्यू लाइफ मॉडल स्कूल परिवार सहित पूरे भंवरपुर अंचल में हर्ष एवं गौरव का वातावरण है।  
वर्ष 2015 से शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय आर.के. कुमार ने क्षेत्र में शैक्षणिक जागरूकता बढ़ाने, विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, नवा रायपुर के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय संगोष्ठी सह सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। उनकी इस उपलब्धि से न्यू लाइफ मॉडल स्कूल परिवार सहित पूरे भंवरपुर अंचल में हर्ष एवं गौरव का वातावरण है।

# बीएसपी स्क्रेप चोरी मामले में सीबीआई की एंट्री

**सीएम साय ने कहा- अब होगा दूध का दूध और पानी का पान**

**विश्व केसरी■**  
रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में भिलाई स्टील प्लांट से लगभग 250 टन लौह स्क्रेप चोरी के मामले में अब केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की एंट्री हो चुकी है। जांच की कमान सीबीआई के हाथों में आते ही प्रदेश में सियासी जुबानी जंग शुरू हो गई है। एक ओर सत्ता पक्ष का कहना है कि सीबीआई जांच में मामले का पटाक्षेप हो जाएगा। वहीं विपक्ष का आरोप है कि कई नेताओं की इसमें संलिप्तता सामने आई है। मामले को लटकाने के लिए सीबीआई को केस सौंपा गया है।  
**अब होगा दूध का दूध और पानी का पानी : सीएम साय**  
करोड़ों रुपये के बीएसपी स्क्रेप चोरी मामले में सीबीआई जांच को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले में अब सीबीआई को जांच सौंप दी गई है। अब दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। इस मामले में डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि काफी दिनों से मामले में जांच जारी है। इसका स्पष्टता से और व्यापक जांच होनी चाहिए। पुलिस अच्छा काम कर रही थी। जांच के बाद कई लोगों की गिरफ्तारी भी हुई। चूंकि लगातार मामले में बड़े स्तर पर जांच करने की मांग सामने आई थी, अब केस सीबीआई को फॉरवर्ड किया गया है।



**सीबीआई जांच पर बैज ने खड़े किए सवाल** - बीएसपी स्क्रेप चोरी मामले की जांच सीबीआई को सौंप जाने को लेकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज ने सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मामले में क्या राज्य की पुलिस जांच नहीं कर सकती थी? यह चोरी काफ़ी बड़ी है, जिसमें संबंधित नेताओं की गिरफ्तारी हुई है।

# शिक्षिका संध्या और कविता को मिला राज्य स्तरीय गुरु गौरव सम्मान

**विश्व केसरी■**  
लवन (ताराचंद कठोत्रे)। पलारी ब्लाक के दो शिक्षिकाएं संध्या पैकरा और कविता सरसीहा को उसकी उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य स्तरीय गुरु गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया इस सम्मान समारोह में पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शिक्षक, शिक्षिकाओं का सम्मान किया गया। विदित हो कि दोनों मैडम हमेशा अपनी नवाचारी गतिविधियों के लिए जानी जाती रही है और कई सम्मान समारोह में सम्मानित होती रही है दोनों जिस भी स्कूल में गईं वहां वहां शिक्षा की अलख जगती रही है। वर्तमान में संध्या पैकरा शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय दतान प एवं कविता सरसीहा मैडम वर्तमान में शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिसदेवरी में पदस्थ है। इससे इस उपलब्धि पर देवेंद्र साहू ब्लॉक संयोजक कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन, लोचन बांधे अध्यक्ष छ. ग. सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन, काहा साहू, अशोक पैकरा, दिलेश्वर भारद्वाज, खगेश रात्रे, दया ध्रुव, ब्रवण साहू एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं ब्लॉक पलारी बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।



# जशपुर के बेटे अनिमेष कुजूर ने रचा इतिहास

**एशियन गेम्स में 4×100 मीटर मिक्स्ट रिले में जीता कांस्य पदक**

**विश्व केसरी■**  
जशपुर/अंबिकापुर (आभाष राज गुप्ता)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के रहने वाले भारतीय एथलीट अनिमेष कुजूर ने एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के लिए 4×100 मीटर मिक्स्ट रिले स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है।  
अनिमेष कुजूर की टीम ने फाइनल में 41.06 सेकंड का समय दर्ज किया। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय टीम ने 41.35 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर करते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया। फाइनल में चीन ने 40.78 सेकंड के साथ स्वर्ण और थाईलैंड ने 40.87 सेकंड के साथ रजत पदक जीता, जबकि भारत 41.06 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहा।  
भारतीय मिक्स्ट 4×100 मीटर रिले टीम में गुरिंदरवीर सिंह, स्नेहा एसएस, अनिमेष कुजूर और हरिता भद्रा शामिल रहे। बारिश से प्रभावित ट्रैक पर भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के खूशी की लहर है। अनिमेष के पिता अमृत कुजूर छत्तीसगढ़ पुलिस में



के साथ तीसरे स्थान पर रहा।  
भद्रा शामिल रहे। बारिश से प्रभावित ट्रैक पर भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के खूशी की लहर है। अनिमेष के पिता अमृत कुजूर छत्तीसगढ़ पुलिस में

डीएसपी के पद पर पदस्थ हैं। बेटे की इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि ने परिवार के साथ-साथ जशपुर और पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है। एशियन गेम्स के मंच पर तिरों के साथ खड़े अनिमेष और उनके साथी खिलाड़ियों की तस्वीरें अब छत्तीसगढ़ के खेल प्रेमियों के लिए गर्व का विषय बन गई हैं। चोट के बावजूद शानदार प्रदर्शन कर देश के लिए पदक जीतने वाले अनिमेष कुजूर को प्रदेशभर से बधाइयां और शुभकामनाएं मिल रही हैं।  
जशपुर की मिट्टी से निकले इस युवा खिलाड़ी ने एक बार फिर साबित किया है कि छत्तीसगढ़ की प्रतिभाएं अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर देश का नाम रोशन करने का मादा रखती हैं।

# ‘नमो सेवा अनकही कहानी’ नुक्कड़ नाटक का मंचन



**विश्व केसरी■**  
छुरा (मानसिंह निषाद)। शासन के अनुसार कलेक्टर गरियाबंद के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ‘नमो सेवा अनकही कहानी’ विषय पर नुक्कड़ नाटक का मंचन शासकीय अधिकारी जनपद पंचायत छुरा, सुनील साहू, अधीक्षक नर्सरी खरखरा, चंद्रलाल साहू, महिला एवं जनकल्याण एवं सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।  
कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भोले शंकर जायसवाल, सभापति नगर पंचायत छुरा उपस्थित रहे। साथ ही आर.एस. सोरी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (डिप्टी कलेक्टर) छुरा, सतीश चंद्रवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत छुरा, सुनील साहू, अधीक्षक नर्सरी खरखरा, चंद्रलाल साहू, महिला एवं जनकल्याण परियोजना अधिकारी, आर.के. ध्रुव, प्रभारी जनपद पंचायत छुरा, विजय ध्रुव, जनपद पंचायत छुरा, डॉ. सी.पी. सिंह, डी पी सिंह, सुश्री रागिनी ठाकुर, सहायक प्राध्यापकण एवं समाजसेवी शीतल ध्रुव सहित महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं अन्य उपस्थितजन मौजूद रहे।  
मुख्य अतिथि भोले शंकर जायसवाल ने देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में संचालित जनसेवा एवं जनकल्याणकारी प्रयासों के बारे में जानकारी देते हुए सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।



## संपादकीय

### एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी



ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार

करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में



लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन' और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की है।

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोका, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट का परीक्षण सफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है।



डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में सामाजिक न्याय की बहस जितनी पुरानी है, उतनी ही संवेदनशील भी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के विरुद्ध भेदभाव, सामाजिक अपमान और हिंसा की घटनाओं ने स्वतंत्र भारत के सामने लंबे समय से गंभीर चुनौती रखी है। इसी पृष्ठभूमि में एससी/एसटी एक्ट, 1989 अस्तित्व में आया। लेकिन तीन दशक से अधिक समय बाद यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि इस कानून ने अपने मूल उद्देश्य को किस सीमा तक पूरा किया है और क्या पीड़ितों की सुरक्षा के साथ निर्दोष व्यक्तियों के अधिकारों की पर्याप्त रक्षा हो रही है।

1989 में इस कानून को बनाने के पीछे तत्कालीन सरकार ने स्पष्ट कारण बताए थे। विधेयक के उद्देश्य और कारणों में कहा गया था कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोग विभिन्न प्रकार के सामाजिक अपमान, हिंसा, भूमि से बेदखली, जबरन मजदूरी तथा अन्य अत्याचारों के प्रति संवेदनशील बने हुए थे। सरकार के अनुसार उस समय उपलब्ध नागरिक अधिकार

संरक्षण अधिनियम, 1955 तथा सामान्य दंड कानून इन अपराधों को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं थे। इसी कारण एक विशेष कानून की आवश्यकता महसूस की गई। इसलिए उपलब्ध सरकारी अभिलेखों के आधार पर यह कहना उचित नहीं होगा कि एससी/एसटी एक्ट बिना किसी विशेष कारण अचानक बनाया गया था।

11 सितंबर 1989 को यह अधिनियम पारित हुआ और 30 जनवरी 1990 से लागू हुआ। इसका घोषित उद्देश्य अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के विरुद्ध अत्याचारों को रोकना, ऐसे मामलों के लिए विशेष न्यायालयों की व्यवस्था करना तथा पीड़ितों को राहत और पुनर्वास उपलब्ध कराना था।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में कमजोर वर्गों को कानूनी संरक्षण देना राज्य की जिम्मेदारी है और इस दृष्टि से इस कानून की आवश्यकता को समझा जा सकता है।

हालाँकि, कानून की आवश्यकता और उसके संभावित दुरुपयोग पर बहस दो अलग-अलग प्रश्न हैं। किसी भी कठोर कानून में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वास्तविक पीड़ित को तत्काल संरक्षण मिले, लेकिन किसी निर्दोष व्यक्ति को केवल आरोप लग जाने के कारण अन्याय का सामना न करना पड़े। एससी/एसटी एक्ट के कुछ प्रावधानों को लेकर समय-समय पर न्यायपालिका के सामने भी यही प्रश्न आया और गिरफ्तारी तथा प्रारंभिक जाँच की प्रक्रिया पर न्यायिक विचार हुआ। बाद में संसद

ने कानून में संबंधित संशोधन भी किए। इस कानून को लेकर एक आम धारणा यह भी है कि झूठी शिकायत करने वाले व्यक्ति को सरकार की ओर से पैसा, मकान या नौकरी देने का प्रावधान है। वास्तव में कानून



और उसके नियमों में राहत एवं पुनर्वास की व्यवस्था अत्याचार के पीड़ितों के लिए है। इसे झूठी शिकायत करने वाले व्यक्ति के लिए पुरस्कार के रूप में प्रस्तुत करना तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। इसलिए इस विषय पर बहस करते समय पीड़ित को मिलने वाली वैधानिक राहत और झूठी शिकायत के संभावित दुरुपयोग को अलग-अलग समझना आवश्यक है।

फिर भी यदि किसी कानून का उपयोग व्यक्तिगत दुश्मनी, संपत्ति विवाद, स्थानीय संघर्ष या अन्य दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए किया

जाता है, तो ऐसी घटनाओं की निष्पक्ष जाँच आवश्यक है। किसी भी कानून का दुरुपयोग उसकी मूल भावना को कमजोर कर सकता है और समाज में कानून के प्रति अविश्वास पैदा कर सकता है। दूसरी ओर, केवल कुछ मामलों में

आधिकारिक विधायी दस्तावेजों से यह निष्कर्ष निकालना कि कानून का उद्देश्य हिंदू समाज को तोड़ना या जातीय संघर्ष पैदा करना था, प्रमाणित नहीं होता। किसी राजनीतिक दल की मंशा पर निष्कर्ष निकालने के लिए उसके निर्णयों, आज आवश्यकता ऐसी व्यवस्था की है जिसमें जाति आधारित अत्याचार के वास्तविक मामलों में त्वरित और कठोर कार्रवाई हो, पीड़ितों को समय पर राहत मिले, जाँच निष्पक्ष हो और आरोपी को भी संविधान द्वारा प्राप्त न्यायिक अधिकार मिलें। यदि कोई शिकायत जानबूझकर झूठी और दुर्भावनापूर्ण सिद्ध होती है तो कानून के अनुसार उसके विरुद्ध भी कार्रवाई होनी चाहिए। इससे न केवल निर्दोष नागरिकों का विश्वास कायम रहेगा, बल्कि वास्तविक पीड़ितों के लिए बने कानून की विश्वसनीयता भी मजबूत होगी।

सामाजिक न्याय और सामाजिक सद्भाव एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। भारत को ऐसी न्याय व्यवस्था चाहिए जिसमें कमजोर को सुरक्षा मिले, अपराधी को दंड मिले और निर्दोष को भय से मुक्ति मिले। किसी कानून की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि वह कितना कठोर है, बल्कि इस बात से भी कि वह कितना निष्पक्ष और प्रभावी है। लोकतंत्र में कानून का उद्देश्य समाज को बाँटना नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए न्याय और विश्वास को मजबूत करना होना चाहिए।

## बोध कथा

## सच्चा प्रजपालक

एक बार महाराजा अशोक के राज्य में अकाल पड़ा। जनता भूख तथा प्यास से त्रस्त हो उठी। राजा ने तत्काल राज्य में अन्न के भंडार खुलवा दिए। सुबह से लेने वालों का ताँता लगता और शाम तक न टूटता। एक दिन संध्या हो गई। जब सब लेने वाले निकट गए तो एक कुशकाय बूढ़ा उठा और उसने अन्न माँगा। बाँटने वाले भी थक चुके थे अतः उन्होंने उसे डाँटकर कहा-कल आना आज तो अब ख़ैरत बंद हो गई।'तभी एक हष्ट-पुष्ट शरीर के नवयुवक जैसा व्यक्ति आया और बाँटने वालों से बोला-बेचारा बूढ़ा है। मैं देख रहा हूँ बड़ी देर से बैठा है यह।

शरीर से दुर्बल होने के कारण सबसे पीछे रह गया है। इसे अन्न दे दो।'उसकी वाणी में कुछ ऐसा प्रभाव था कि बाँटने वालों ने उसे अन्न दे दिया। उस नवयुवक की सहायता से उसने गठरी बाँध

ली। अब उठे कैसे? तब वही युवक बोला-लाओ मैं ही पहुँचाए देता हूँ।' और गठरी उठाकर पीछे-पीछे चलने लगा।बूढ़े का घर थोड़ी दूर पर रह गया था। तभी एक सैनिक टुकड़े उधर से गुजरी। टुकड़ी के नायक ने घोड़े पर से उतर कर गठरी ले जाने वाले का फौजी अभिवादन किया।

उस व्यक्ति ने संकेत से आगे कुछ बोलने को मना कर दिया। फिर भी बूढ़े की समझ में कुछ-कुछ आ गया। वह लगे खड़ा हो गया और कहने लगा-आप कौन हैं,सच-सच बताइए।' वह व्यक्ति बोला-मैं एक नौजवान हूँ और तुम वृद्ध हो,दुर्बल हो। बस इससे अधिक परिचय व्यर्थ है। चलो बताओ तुम्हारा घर किधर है।' पर अब तक बूढ़ा पूरी तरह पहचान चुका था। वह पैरों में गिर गया और क्षमा माँगते हुए बड़ी मुश्किल से बोला-प्रजापालक आप सच्चे अर्थों में प्रजापालक हैं।''

## व्यंग्य केसरी

## रिप लिखने से पुण्य मिलता है



रविकान्त राऊत

सुबह मोबाइल खोला तो पता चला कि चौबे जी नहीं रहे। यह खबर उनके बेटे ने नहीं, फेसबुक ने दी। ऊपर मुस्कुराती हुई तस्वीर थी और नीचे लिखा था- ' ? शांति RIP ।'

उमके नीचे श्रद्धांजलियों की ऐसी बाढ़ थी, जैसे चुनाव के दिनों में वार्दों की आती है। कोई लिख

रहा था- 'अविश्वसनीय ', कोई- 'बहुत बड़ी क्षति।' एक सज्जन ने लिखा- 'बहुत जल्दी चले गए ', जबकि चौबे जी अस्सी वर्ष की आयु में संसार छोड़कर गए थे। लगा, यमराज यह टिप्पणी पढ़ लें तो अपना कैलेंडर देखकर असमंजस में पड़ जाएँ। चौबे जी मेरे पुराने परिचित थे। सुबह पार्क में मुलाकात होती थी। पिछले कुछ वर्षों से उनका सबसे बड़ा दुख घुटनों का दर्द नहीं, अकेलापन था। कहते थे, 'शरीर तो चल रहा है, पर अब लोग हालचाल नहीं पूछते।'

दोनों बेटे विदेश में थे। पोते-पोतियाँ बीडियों कॉल पर हाथ हिला देते थे। एक दिन उन्होंने हँसते हुए कहा था, 'अब लोग मिलने नहीं आते, बस कहते हैं कि अंकल, स्टेटस देख लिया था, सब ठीक लग रहे थे।' तब लगा था कि आदमी का स्वास्थ्य अब डॉक्टर नहीं, व्हाट्सऐप स्टेटस प्रमाणित करता है।

दोपहर तक उनके निधन की खबर सैकड़ों लोगों तक पहुँच गई। शाम तक हजारों 'RIP' लिखे जा चुके थे। मोहल्ले के शर्मा जी ने पूछा, 'यह अरआईपी होता क्या है?' अर्थ समझाने पर बोले, 'मैं तो समाज कोई सरकारी योजना होगी।'

फिर गंभीर होकर बोले, 'जीते-जी आदमी के लिए दो मिनट नहीं होते और मरने के बाद लोग के लिए चौबे जी को रिकशेवाला ढूँढना पड़ता था, दवा लाने वाला कोई नहीं मिलता था। लेकिन अब उनकी तस्वीर के नीचे रोते हुए इमोजी सच रहे थे।

आधुनिक समाज बड़ा दयालु हो गया है। उसे मृतकों से बहुत प्रेम है, जीवित लोगों से थोड़ी असुविधा

होती है। जीवित आदमी को समय देना पड़ता है, उसकी बातें सुनी पड़ती हैं। दिवंगत व्यक्ति अधिक सुविधाजनक होता है। मेरे एक मित्र की माँ महीनों बीमार रहीं, पर उनके पास समय नहीं था। माँ के जाने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर इतना भावुक लेख लिखा कि पढ़ने वालों की आँखें नम हो गईं। बस, माँ की आँखें नम होने के लिए अब बची नहीं थीं।

एक दिन पार्क में चौबे जी ने कहा था, 'आदमी की सबसे बड़ी भूख रोटी की नहीं, याद किए जाने की है।'

कभी-कभी सोचता हूँ, अगर चौबे जी लौट आएँ और ये सब टिप्पणियाँ पढ़ लें, तो शायद मुस्कुराकर इतना ही कहें- 'बेटा, इतना प्यार दो साल पहले दिखा देते, तो शायद मैं थोड़ा और जी लेता।'

जबलपुर, मध्य प्रदेश

## कविता

## कहीं दूर चल



|                            |                          |
|----------------------------|--------------------------|
| चल मन कही दूर              | जहां मिले जीवन की आहट    |
| चल                         | न हो भागम भाग जहां       |
| जहां दिखे पूरा             | मिले खुद को खुद का साथ   |
| चांद                       | जहां                     |
| जहां मिले खुला             | बस वही ले चल।            |
| आसमान                      |                          |
| चल मन कही दूर चल           | हां चंदा लोरी सुनाएं     |
| हो हवा निर्मल              | सूरज की किरणे सुबह जगाए  |
| कल कल बहता हो              | जहां हो प्रकृति का संगीत |
| नदिया का जल।               | धूप हरियाली बन जाए       |
|                            | मनमीत                    |
| न हो काला जहरीला धुंआ जहां | ले चल मुझे बस वही ले     |
| बस मुझे वही ले चल।         |                          |
| जहां हो चिड़ियों की चहचहाट | चल।।                     |



# राष्ट्रीय पार्टी में बड़ा पद दिलाने का झांसा देकर 82.63 लाख की टगी पहले से वसूली और जुआ समेत कई मामले दर्ज, महिला गिरफ्तार

**विश्व केसरी ■**

**बिलासपुर ( सुरेश सिंह बैस )।** एक राष्ट्रीय पार्टी में बड़ा पद दिलाने और पार्टी की सदस्यता दिलाने के नाम पर 82 लाख 63 हजार रुपए की टगी का मामला सामने आया है। सरकंडा पुलिस ने मामले की मुख्य आरोपी महिला निखत परबनी शाबरी उर्फ निखत परबनी शाबरी उर्फ निक्की (34) को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला खोंगापानी स्थित अपने घर में मिली, जहां से पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ पहले से वसूली और जुआ समेत कई मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, सरकंडा के विहार निवासी चेतन आनंद दुबे की वर्ष 2025 में फेसबुक के जरिए निखत से पहचान हुई थी। महिला ने खुद को एक राष्ट्रीय पार्टी का कार्यकर्ता बताते हुए बड़े दावा किया। शुरुआत में जमीन विवाद सुलझाने का भरोसा दिलाकर उसने चेतन का विश्वास तोड़ा। इसके बाद पार्टी में बड़ा पद दिलाने और ज्वाइनिंग कराने के नाम पर पार्टी फंड और कागजी प्रक्रिया का हवाला देकर रकम मांगनी शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक, प्रार्थी और उसके परिचितों के बैंक खातों के जरिए ऑनलाइन तथा नकद मिलाकर कुल 82 लाख 63 हजार रुपए लिए गए।

जब चेतन ने अपनी रकम वापस मांगी तो महिला पर धमकी देने का भी आरोप है। शिकायत के आधार पर सरकंडा पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की और खोंगापानी पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से मोबाइल, आधार कार्ड के साथ प्रार्थी के दस्तावेज और बायोडेटा भी जब्त किए हैं।

## 8.93 करोड़ रुपए की जल जीवन मिशन योजना पर गंभीर सवाल जमीन पर काम अधूरा

कागजी कार्यवाही पूरी होने की आशंका

**विश्व केसरी ■**

**अकलतरा ( नीरज शर्मा )।** नगर पंचायत नरियरा में जल जीवन मिशन के अंतर्गत लगभग 8.93 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत पेयजल योजना को लेकर नगर पंचायत के पार्षदों ने गंभीर सवाल उठाते हुए आज जिला कलेक्टर एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन मुख्य अभियंता को लिखित आवेदन सौंपकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

पार्षदों के अनुसार, योजना का उद्देश्य नगर के प्रत्येक पात्र घर तक नल के माध्यम से पेयजल

पहुंचाना था, लेकिन 3-4 वर्ष बीत जाने के बाद भी अनेक वार्डों में पाइपलाइन, घरेलू नल कनेक्शन एवं अन्य आवश्यक कार्य अधूरे हैं और कई स्थानों पर नियमित जलापूर्ति भी नहीं हो रही है।

पार्षदों ने अपने आवेदन में सबसे गंभीर सवाल यह उठाया है कि जब मौके पर कार्य पूर्ण नहीं हुआ है, तो संबंधित कार्यों की NOC/पूर्णता संबंधी कार्यवाही एवं भुगतान किस आधार पर किया गया? इससे यह आशंका उत्पन्न होती है कि कहीं जमीनी हकीकत के विपरीत कागजी कार्यवाही में कार्य पूर्ण तो नहीं दर्शाया गया। पार्षदों का कहना है कि संबंधित ठेकेदारों द्वारा कार्य पूर्ण होने की जानकारी दिए जाने के बाद जब वार्डों में वास्तविक

स्थिति देखी गई, तो कई स्थानों पर कार्य अभी भी शेष पाए गए। ऐसे में योजना की वास्तविक भौतिक स्थिति, माप पुस्तिका, बिल-वाउचर, भुगतान, NOC, कार्यदिश तथा संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदारों की भूमिका की जांच आवश्यक है।

‘करोड़ों की योजना, फिर भी जनता के घर पानी अधूरा क्यों?’ पार्षदों ने कहा कि यह मामला किसी व्यक्तिगत विवाद का नहीं बल्कि नरियरा की जनता के अधिकार और करोड़ों रुपये के शासकीय धन की जवाबदेही का है। जनता के लिए स्वीकृत राशि का उपयोग यदि वास्तविक कार्य के बजाय केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित रहा है, तो इसकी निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

## गणित, विज्ञान एवं संस्कृति महोत्सव का हुआ समापन

**विश्व केसरी ■**

**भानुप्रतापपुर ( सौपक शर्मा )।** विद्या भारती छत्तीसगढ़ द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर भानुप्रतापपुर में आयोजित तीन दिवसीय गणित, विज्ञान एवं संस्कृति महोत्सव में भव्य समापन हुआ। महोत्सव में कांकेर विभाग के कांकेर, कोंडगांव एवं नारायणपुर जिले के 17 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भागभागिता की। विद्यार्थियों ने गणित, विज्ञान, कला, संस्कृति, गीत-संगीत सहित विभिन्न विधाओं में अपनी 300 बच्चों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेता और उपविजेता को मेडल, मोमेंटो देकर सम्मान किया गया।

साथ आये निर्णायक, संरक्षक आचार्य, दीर्घियों का भी सम्मान किया गया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि व्यवसायी दीपेश चोपड़ा ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास



के लिए इस प्रकार के आयोजन बेहद महत्वपूर्ण हैं। सरस्वती शिशु मंदिर लगातार संस्कारवान, प्रतिभावान और बेहतर नागरिक बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि जो विद्यार्थी इस बार सफल नहीं हो पाए, वे निराश न हों। निरंतर प्रयास और मेहनत से आने वाले समय में बेहतर प्रदर्शन कर सफलता हासिल की जा सकती है। बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंधक शंभूनाथ ने विद्यार्थियों को संबोधित

सफल रहा है। उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं सहयोगियों को बधाई देते हुए कहा कि आगामी वर्षों में इसे और बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। संस्था के व्यवस्थापक रामदेव नायक ने आयोजन की सफलता के लिए सभी अतिथियों, विद्यार्थियों, आचार्यों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

व्यापारी संघ के अध्यक्ष राकेश रमानी ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर लंबे समय से बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार देने का कार्य कर रहा है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संवलपुर सरकार के मुख्य अतिथि शिशु मंदिर के व्यवस्थापक पारस बोधरा ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

## डभरा पुलिस की साइबर जागरूकता पहल

**विश्व केसरी ■**

**सक्ती ( ईश्वर लोधी )।** पुलिस अधीक्षक जिला सक्ती प्रफुल्ल ठाकुर (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी डभरा के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे राज्यव्यापी साइबर जागृति अभियान (15 अगस्त से 02 अक्टूबर 2026) के तहत 28 सितंबर को थाना डभरा पुलिस द्वारा मंगल भवन ग्राम कोटमी में साइबर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में सरपंच कमला खडिया, उप सरपंच द्वारिका प्रसाद चौधरी, जनपद सदस्य मानकुंजर पटेल, प्रिंसिपल हायर सेकेंडरी स्कूल बालक मुकेश साहू, कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल रामकृष्ण पटेल, पूर्व बीईओ उमाशंकर पटेल, कोआपरेटिव बैंक अध्यक्ष मनीष चौधरी उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं नागरिकों की



उपस्थिति में साइबर ठगी के नए तरीकों के बारे में विस्तार से बताया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य – आम नागरिकों, स्कूली बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं ग्रामीण अंचल के लोगों को डिजिटल धोखाधड़ी कैसे होती है और उससे कैसे बचा जाए, के संबंध में जागरूक करना है।

साइबर अपराधों से बचने के लिए पुलिस अधीक्षक सक्ति एवं थाना डभरा पुलिस की अपील :- OTP/पासवर्ड गुप्त रखें –बैंक खाता, ATM पिन, OTP किसी भी अनजान व्यक्ति को न बताएं। अनजान लिंक से बचें – किसी भी अनजान नंबर से आई, क्वा फाइल, लॉटरी, नौकरी या केवाईसी अपडेट की लिंक पर क्लिक न करें। वीडियो कॉल से साधना – व्हाट्सएप पर अनजान/विदेशी नंबर से आने वाली वीडियो कॉल रिसीव न करें। डिजिटल अरेस्ट एक फ्रॉड है – पुलिस, CBI, ED अधिकारी बनकर वीडियो कॉल पर डराकर पैसे मांगना नहीं है। भारत सरकार द्वारा ऐसा कोई ‘डिजिटल अरेस्ट’ नहीं किया जाता। तुरंत रिपोर्ट करें – ठगी होने पर घबराएं नहीं, तुरंत साइबर हेलपलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या [www.cybercrime.gov.in](http://www.cybercrime.gov.in) पर शिकायत दर्ज करें।

## जनता के जनादेश को स्वीकार करे कांग्रेस : कवि शरण वर्मा

**विश्व केसरी ■**

**सक्ती ( ईश्वर लोधी )।** कांग्रेस द्वारा चुनाव आयोग एवं अन्य संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठाए जाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है।

सक्ती में आयोजित प्रेस वार्ता में भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला प्रभारी एवं जनपद अध्यक्ष कवि शरण वर्मा ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करना कांग्रेस की राजनीतिक हताशा और जनादेश को स्वीकार नहीं कर पाने की मानसिकता को दर्शाता है।

कांग्रेस जब चुनाव जीतती है तो चुनाव प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाएं उसे निष्पक्ष नजर आती हैं, लेकिन जब जनता कांग्रेस को नकार देती है तो वही संस्थाएं उसके निशाने पर आ जाती हैं। यह दोहरा



रवैया लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग देश को लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण संवैधानिक अंग है। चुनाव प्रक्रिया को लेकर यदि किसी राजनीतिक दल को कोई आपत्ति है तो उसके लिए संवैधानिक और कानूनी रास्ते उपलब्ध हैं। लेकिन बिना ठोस तथ्य के लगातार आरोप लगाकर जनता के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा को प्रभावित करता है। कवि शरण वर्मा ने कांग्रेस पर निशाना साधते

## सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवरीनारायण में बच्चों का टीकाकरण

**विश्व केसरी ■**

**शिवरीनारायण ( नीरज शर्मा )।** बच्चों को विभिन्न संक्रामक एवं गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवरीनारायण में मंगलवार को नियमित टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 5 वर्ष तक के बच्चों को उनके टीकाकरण कार्ड के अनुसार आवश्यक टीके लगाए गए। टीकाकरण के लिए पहुंचे बच्चों के अभिभावकों को स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा टीकों की उपयोगिता और समय पर टीकाकरण कराने के संबंध में जानकारी दी गई।

टीकाकरण के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों ने बच्चों की उम्र एवं पूर्व में लगाए गए टीकों की जानकारी टीकाकरण कार्ड के माध्यम से जांची। इसके बाद निर्धारित टीके लगाए गए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने



अभिभावकों को बताया कि बच्चों को समय पर सभी जरूरी टीके लगवाना उनके स्वस्थ विकास के लिए महत्वपूर्ण है। नियमित टीकाकरण से बच्चों को कई गंभीर बीमारियों से बचाने में मदद मिलती है। स्वास्थ्यकर्मियों ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों के टीकाकरण की अगली निर्धारित तारीख का विशेष ध्यान रखें। यदि किसी कारण से बच्चे का कोई टीका छूट गया है तो नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क कर छूटा हुआ टीका लगवाया जा सकता है।

## 79 वर्षीय दृष्टिबाधित मां को इलाज के लिए नहीं मिली अनुमति

**विश्व केसरी ■**

**शिवरीनारायण ( नीरज शर्मा )।** बाढ़ के कारण शबरी पुल पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित किए जाने के बीच एक ऐसा मामला सामने आया है, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था के साथ मानवीय संवेदनाओं पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। नगर के वरिष्ठ पत्रकार श्याम जी कर्ष का कहना है कि उन्हें अपनी 79 वर्षीय दृष्टिबाधित मां को नदी के उस पार से लेने जाने के लिए दोपहिया वाहन से पुल पार करने की अनुमति नहीं दी गई।

श्याम जी कर्ष के अनुसार उनकी मां दोनों ओरों से देख नहीं सकती हैं और उनकी उम्र 79 वर्ष है। वह नदी के उस पार से बस के माध्यम से आई थीं। ऐसे में उन्हें पैदल पुल पार कराने में काफी परेशानी होने की आशंका थी। इसी परेशानी को देखते हुए उन्होंने पुल पर तैनात प्रशासनिक टीम से निवेदन किया कि उन्हें अपनी मां को लेने के लिए दोपहिया वाहन से



सावधानीपूर्वक पुल पार करने की अनुमति दी जाए। उनके अनुसार पुल पर तैनात टीम ने पहले थाना प्रभारी से बात करने को कहा। थाना प्रभारी से चर्चा के बाद भी जब बात नहीं बनी तो उन्होंने

एसडीएम से संपर्क किया। श्याम जी कर्ष का कहना है कि एसडीएम से बात होने पर उन्होंने अपनी मां की उम्र, दृष्टिबाधिता और परिस्थितियों की पूरी जानकारी दी। इसके बावजूद उन्हें अनुमति नहीं दी गई।

‘आपको अनुमति देंगे तो सभी को देनी पड़ेगी।’-श्याम जी कर्ष के अनुसार एसडीएम द्वारा उन्हें यह कहते हुए अनुमति देने से मना किया गया कि ‘आपको अनुमति देंगे तो सभी को देनी पड़ेगी।’ उनका कहना है कि उन्होंने स्पष्ट किया था कि वह किसी सामान्य आवागमन के लिए अनुमति नहीं मांग रहे हैं, बल्कि अपनी 79 वर्षीय दृष्टिबाधित मां को लेने के लिए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी निवेदन किया कि यदि उन्हें

स्वयं दोपहिया वाहन से जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती तो पुल पर तैनात किसी पुलिसकर्मी या जवान को उनकी मां तक भेजकर उन्हें सुरक्षित इस ओर पहुंचा दिया जाए। उनके अनुसार इस विवेकपूर्ण प्रस्ताव पर भी सहमति नहीं बनी।

**पुल पर काम चलने की बात भी कही गई, मौके पर नजर नहीं आया कोई प्रशासनिक कार्य**

श्याम जी कर्ष के अनुसार बातचीत के दौरान एसडीएम मैडम द्वारा यह भी कहा गया कि पुल पर कार्य चल रहा है। हालांकि उनका कहना है कि जब वह मौके पर मौजूद थे, उस समय पुल पर किसी प्रकार का प्रशासनिक कार्य होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा था।

ऐसे में सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि पुल पर किसी कार्य के चलते आवागमन में अतिरिक्त प्रतिबंध था, तो उस कार्य की प्रकृति और आपात स्थिति में अपनाई जाने वाली वैकल्पिक व्यवस्था के बारे में लोगों को स्पष्ट जानकारी क्यों नहीं दी गई?

## आयोग की सफाई से खुली सच्चाई की परतें : ओम प्रकाश

**विश्व केसरी ■**

**बलरामपुर ( आफताब आलम )।** भारतीय जनता पार्टी जिला बलरामपुर द्वारा आयोजित प्रेसवार्ता में जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश



जायसवाल ने चुनाव आयोग की हालिया स्पष्टता को लेकर कांग्रेस और विपक्ष पर तीखा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की ओर से आयोजित जायसवाल ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त लोकर विभिन्न चरणों की जांचेस कुमार तथा निर्वाचन समय-सारणी तब निर्णयों को आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की बैठक के बाद स्वीकृत बताया है। भाजपा का आरोप है कि निर्वाचन आयोग ने सर्वसम्मति से जुड़े प्रमुख निर्णय आयोग की सर्वसम्मति स्वीकृति से लिए बिना पर्याप्त तथ्य के सवाल फैलाए जा रहे भ्रम और आरोपों का उपयोग के इस स्पष्टीकरण का उल्लेख है। उन्होंने कहा कि 24

जून 2025 के स्फुट आदेश से लेकर विभिन्न चरणों की जांचेस-सारणी तब निर्णयों को सर्वसम्मति से लिए बिना पर्याप्त तथ्य के सवाल फैलाए जा रहे भ्रम और आरोपों का उपयोग के इस स्पष्टीकरण का उल्लेख है। उन्होंने कहा कि 24



# सैंसेक्स 243 अंक फिसला निफ्टी 22,700 के करीब

विश्व केसरी■

**मुंबई।** ऊंचे कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक बॉन्ड यील्ड में अस्थिरता के कारण जोखिम से बचने की भावना को बढ़ावा मिलने से लगातार दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। हालांकि शुरुआती बिकवाली के बाद बाजार संभलता नजर आया। शुरुआती कारोबार में दोनों प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स 1-1 प्रतिशत तक फिसल गए थे।

बीएसई सेंसेक्स 242.65 अंक यानी 0.33 प्रतिशत गिरकर 72,529.07 पर आ गया, तो वहीं निफ्टी50 64.05 अंक यानी 0.28 प्रतिशत फिसलकर 22,716.20 पर पहुंच गया।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 72,771.72 से 138 अंक यानी 0.18 प्रतिशत गिरकर 72,633.68 पर खुला और एक समय इंटा-डे ट्रेड में यह करीब 708 अंक यानी 0.97 प्रतिशत

गिरकर 72,064 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 22,780.25 से मामूली 0.20 प्रतिशत फिसलकर 22,732.45 पर खुला और दिन के कारोबार में एक समय यह 210.6 अंक

यानी 0.92 प्रतिशत गिरकर 22,569.65 के निचले स्तर पर पहुंच गया। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में क्रमशः 0.99 प्रतिशत और 0.81 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी केमिकल और निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, जिनमें क्रमशः 2.71 प्रतिशत, 2.31 प्रतिशत और 2 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। इसके बाद निफ्टी आईटी,

निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी में 1 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी मेटल, निफ्टी फार्मा और निफ्टी मीडिया ने बेहतर प्रदर्शन किया।

निफ्टी50 इंडेक्स में सबसे ज्यादा तेजी अदाणी इंटरप्राइजेज और अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में रही, जिनमें क्रमशः 5 प्रतिशत और 4.4 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, सन फार्मा, इंफोसिस और कोटक बैंक के शेयरों में भी अच्छी तेजी देखने को मिली।

जबकि इसके विपरीत, टाइटन, विप्रो, एचसीएल टेक, अपोलो हॉस्पिटल, टेक महिंद्रा, बजाज-ऑटो और टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। निफ्टी के टेक्निकल आउटलुक पर बात करते हुए एक मार्केट एक्सपर्ट्स ने कहा कि 23,500-23,600 के जोन में भी खरीदारी में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखी, जिससे बाजार में रिकवरी की कोशिशें धीमी रहीं।

ऊपर की तरफ, 22,750-22,800 का लेवल अभी भी तुरंत रेजिस्टेंस जोन बना हुआ है। एक्सपर्ट ने कहा, 'नीचे की तरफ, 22,550-22,600 का लेवल मुख्य इमोडिएट सपोर्ट जोन बना हुआ है, जबकि 22,500 के नीचे जाने पर बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है और इंडेक्स 22,300-22,000 के लेवल तक जा सकता है।'।

कमजोरी का असर पूरे बाजार पर दिखा क्योंकि इन्वेस्टर्स ने मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में अपनी हिस्सेदारी कम की। जानकारों का कहना है कि मार्केट में शामिल लोग सतर्क बने हुए हैं क्योंकि एनर्जी की बढ़ती कीमतों और ग्लोबल बॉन्ड यील्ड में उतार-चढ़ाव निवेश के नज़रिए पर असर डाल रहे हैं।

# बढ़ती क्षमता उपयोग और मजबूत मांग से नए पूंजीगत निवेश चक्र को मिल रहा बढ़ावा

विश्व केसरी■

**मुंबई।** भारतीय उद्योग परिषंध फिक्की (एफआईसीसीआई) के अध्यक्ष और आरपीजी ग्रुप के वाइस चेयरमैन अनंत गोयनका ने मंगलवार को कहा कि भारत में व्यापक आधार पर आर्थिक वृद्धि देखने को मिल रही है और बढ़ते क्षमता उपयोग के चलते कंपनियां पूंजीगत निवेश (कैपेक्स) बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में मांग सुधरने से कारोबारी विश्वास मजबूत हुआ है और इससे निवेश गतिविधियों को नई गति मिल रही है।

फिक्की फ्रेम्स कार्यक्रम के दौरान न्यूज एजेंसी आईएनएस से बातचीत में अनंत गोयनका ने कहा कि लागभग सभी क्षेत्रों में विकास के संकेत दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम अर्थव्यवस्था में व्यापक स्तर पर वृद्धि देख रहे हैं। क्षमता उपयोग बढ़ने के साथ विभिन्न क्षेत्रों में पूंजी निवेश भी बढ़ रहा है।'।

उन्होंने विशेष रूप से अतिरिक्त लागत उपभोक्ताओं तक हुए कहा कि इस सेक्टर में

अपेक्षाकृत अधिक तेज वृद्धि दर्ज की गई है, जिसका सकारात्मक प्रभाव पूरे सप्लाय नेटवर्क और वैल्यू चेन पर पड़ रहा है। ऑटो सेक्टर में बढ़ती मांग के कारण पुर्जों, कच्चे माल, लॉजिस्टिक्स और अन्य संबद्ध उद्योगों को भी लाभ मिल रहा है। हालांकि, गोयनका ने यह भी कहा कि उद्योगों के सामने लाभ मार्जिन को लेकर चुनौतियां बनी हुई हैं। बढ़ती कर्मोडिटी कीमतों के कारण कंपनियां की लागत बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कंपनियां कुछ ऑटोमोबाइल क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि इस सेक्टर में

लेकिन आमतौर पर इसमें समय लगता है और इसका पूरा असर तुरंत कीमतों में दिखाई नहीं देता। उन्होंने कहा कि कर्मोडिटी कीमतों के स्थिर होने तक मार्जिन पर दबाव बना रह सकता है। विशेष रूप से कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी को उन्होंने उद्योगों के लिए चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल या उससे ऊपर पहुंच गई हैं, जिससे विभिन्न उद्योगों की लागत बढ़ रही है।



अपेक्षाकृत अधिक तेज वृद्धि दर्ज की गई है, जिसका सकारात्मक प्रभाव पूरे स्पलाई नेटवर्क और वैल्यू चेन पर पड़ रहा है। ऑटो सेक्टर में बढ़ती मांग के कारण पुर्जों, कच्चे माल, लॉजिस्टिक्स और अन्य संबद्ध उद्योगों को भी लाभ मिल रहा है। हालांकि, गोयनका ने यह भी कहा कि उद्योगों के सामने लाभ मार्जिन को लेकर चुनौतियां बनी हुई हैं। बढ़ती कموडिटी कीमतों के कारण कंपनियों की लागत बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कंपनियां कुछ अतिरिक्त लागत उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन आमतौर पर इसमें समय लगता है और इसका पूरा असर तुरंत कीमतों में दिखाई नहीं देता। उन्होंने कहा कि कर्मोडिटी कीमतों के स्थिर होने तक मार्जिन पर दबाव बना रह सकता है। विशेष रूप से कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी को उन्होंने उद्योगों के लिए चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल या उससे ऊपर पहुंच गई हैं, जिससे विभिन्न उद्योगों की लागत बढ़ रही है।

## बढ़ती महंगाई और महंगे कच्चे तेल के बीच आरबीआई पर बढ़ा दबाव, ब्याज दरें स्थिर रखना हो सकता है मुश्किल: रिपोर्ट

**विश्व केसरी■**

**नई दिल्ली।** बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों, महंगाई के दबाव और वैश्विक बॉन्ड यील्ड में तेजी के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिए ब्याज दरों को मौजूदा स्तर पर बनाए रखना पहले की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। मंगलवार को जारी बीएनपी परिबास इंडिया की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल के सप्ताहों में भारत का व्यापक आर्थिक परिदृश्य कुछ कमजोर हुआ है, जिससे मौद्रिक नीति पर दबाव बढ़ सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं, जबकि अमेरिकी 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड 5 प्रतिशत के करीब पहुंच गई है। इसके साथ ही दुनिया भर में महंगाई के दबाव बने हुए हैं और कई केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में वृद्धि का रास्ता अपना रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने विदेशी मुद्रा गैर-निवासी (एफसीएनआर) जमा के जरिए अपने बाहरी क्षेत्र को मजबूत किया है, लेकिन विकसित देशों में बढ़ती ब्याज दरों के कारण पूंजी निकासी का जोखिम भी बढ़ गया है। ऐसे माहौल में आरबीआई के लिए नीतिगत दरों



को लंबे समय तक स्थिर बनाए रखना कठिन हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कच्चे तेल और अन्य कर्मोडिटी की कीमतों में वृद्धि निकट अवधि में भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसी कारण रुपए पर दबाव बढ़ा है और आरबीआई के पास ब्याज दरें अपरिवर्तित रखने की गुंजाइश सीमित होती जा रही है। बीएनपी परिबास इंडिया के भारतीय इक्विटी अनुसंधान प्रमुख कुणाल वोरा ने कहा कि भारत

का व्यापक आर्थिक दृष्टिकोण तेल कीमतों के प्रति बेहद संवेदनशील है और पश्चिम एशिया में ताजा तनाव देश के लिए नकारात्मक संकेत लेकर आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दो सप्ताह में रुपया लगभग 1 प्रतिशत कमजोर हुआ है। वहीं भारत की 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड 7 प्रतिशत के ऊपर पहुंच गई है और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली भी फिर शुरू हो गई है।

## ऊंची बॉन्ड यील्ड और वैश्विक अनिश्चितताओं से कीमती धातुओं पर दबाव, सोने-चांदी में 1 प्रतिशत से ज्यादा तक की गिरावट

**विश्व केसरी■**

**मुंबई।** ऊंचे अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव के चलते मंगलवार के सत्र में सोने-चांदी की कीमतों में कमजोरी देखने को मिली। मल्टी कर्मोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों कीमती धातुओं में 1 प्रतिशत से ज्यादा तक की गिरावट दर्ज की गई, जिससे बुलियन बाजार पर दबाव बना रहा।

एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना वायदा 487 रुपए या 0.33 प्रतिशत गिरकर 1,48,410 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान सोना 747 रुपए या 0.50 प्रतिशत टूटकर 1,48,150 रुपए के इंट्राडे निचले स्तर तक पहुंच गया। वहीं इसका दिन का उच्चतम स्तर 1,49,034 रुपए रहा।

दूसरी ओर दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी वायदा में अधिक दबाव देखने को मिला। कारोबार के दौरान



चांदी 2,942 रुपए या 1.29 प्रतिशत गिरकर 2,24,500 रुपए प्रति किलोग्राम के इंट्राडे निचले स्तर तक पहुंच गई। बाद में यह 2,104 रुपए या 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,25,338 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती दिखाई दी।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, कीमती धातुओं में यह गिरावट मुख्य रूप से अमेरिका और ईरान के

प्रतिशत की गिरावट आई थी, जिससे यह सात सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरानी अधिकारियों ने नवंबर में होने वाले अमेरिकी मध्यवर्धि चुनावों से पहले वॉशिंगटन के साथ किसी समझौते की संभावना को लेकर निराशा जताई है। यह स्थिति तब और जटिल हो गई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को सात दिनों के भीतर फिर से खोलने संबंधी ईरान के ताजा प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इससे ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है और निवेशकों का रुझान सुरक्षित परिसंपत्तियों के बजाय यील्ड-आधारित निवेशों की ओर बढ़ा है। कर्मोडिटी विशेषज्ञों के अनुसार, सोने के लिए निकट अवधि में 1,50,000 से 1,50,700 रुपए का स्तर पहला प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) क्षेत्र है।

## ओडिशा, बंगाल और असम जैसे राज्य बन सकते हैं नए ग्रोथ हब: अदाणी पोर्ट्स के पंकज भारद्वाज

**विश्व केसरी■**

**नई दिल्ली।** भारत में वेयरहाउसिंग क्षेत्र की वृद्धि अब केवल बड़े उपभोग केंद्रों और ग्रेड-ए शहरों तक सीमित नहीं रहेगी। अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड के वेयरहाउसिंग एवं अदाणी एग्री लॉजिस्टिक्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और बिजनेस डेव पंकज कुमार भारद्वाज ने मंगलवार को कहा कि आने वाले वर्षों में ओडिशा, पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्य वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के नए विकास केंद्र बनकर उभर सकते हैं।

न्यूज एजेंसी आईएनएस से बातचीत में भारद्वाज ने कहा कि विभिन्न राज्य सरकारें निर्माताओं, लॉजिस्टिक्स कंपनियों और औद्योगिक डेवलपर्स को आकर्षित करने के लिए नई लॉजिस्टिक्स नीतियां लागू कर रही हैं, जिससे उभरते बाजारों में वेयरहाउसिंग और स्पलाई चेन इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के अवसर पैदा हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत में विकसित हो रहे लगभग 1.3 से 1.4 करोड़ वर्ग फुट वेयरहाउसिंग स्पेस का करीब 60-70 प्रतिशत हिस्सा ग्रेड-ए और ग्रेड-बी शहरों में है। हालांकि भविष्य की रणनीति केवल प्रमुख उपभोग केंद्रों तक सीमित नहीं है।

भारद्वाज ने कहा, 'हम केवल ग्रेड-ए शहरों पर नहीं, बल्कि बी और सी श्रेणी के शहरों पर भी फोकस कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि कंपनी के पास ऐसे कई स्थानों पर भूमि उपलब्ध है, जहां ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार तैयार वेयरहाउस विकसित किए जा सकते हैं।



उन्होंने बताया कि कंपनी बिल्ड-टू-सूट (बीटीएस) मॉडल के तहत भी सुविधाएं विकसित करने की क्षमता रखती है, जिसमें ग्राहक की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वेयरहाउस तैयार किए जाते हैं।

भारद्वाज ने कहा कि कंपनी की रणनीति केवल उपभोग केंद्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि निर्यात-आयात (इरिजम), बंदरगाह-आधारित और इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी) आधारित विकास पर भी केंद्रित है। अदाणी समूह की उपस्थिति दोनों तटों पर 15-16 बंदरगाहों में है, जिसका लाभ भविष्य में लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के विस्तार में मिलेगा। उन्होंने आगे आईएनएस से कहा कि अगले 5 से 10 वर्षों में सरकार के निर्यात बढ़ाने के प्रयासों से बंदरगाह-आधारित वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स सेवाओं की मांग में तेज वृद्धि हो सकती है। पूर्वी और दक्षिणी तटों पर कंपनी की रणनीति के बारे में उन्होंने बताया कि धामरा पोर्ट और केरल का विज़िंजम पोर्ट कंपनी के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में शामिल हैं। विज़िंजम पोर्ट तेजी से एक

## पीयूष गोयल की अमेरिकी यात्रा बेहद अहम, द्विपक्षीय व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने पर फोकस

**विश्व केसरी■**

**नई दिल्ली।** भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को आगे बढ़ाने की दिशा में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को अमेरिका यात्रा को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों देश एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में काम कर रहे हैं, और इस दौरान अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमिसन ग्रीर के साथ होने वाली उनकी बैठक पर विशेष नजर रहेगी।

पीयूष गोयल 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को अमेरिका के विस्कॉन्सिन राज्य के मिल्वौकी में आयोजित जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे। यह बैठक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि के निमंत्रण पर आयोजित की जा रही है। माना जा रहा है कि इस मंच के इतर होने वाली भारत-अमेरिका वार्ता दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।



एक आधिकारिक बयान के अनुसार, दोनों देश 7 फरवरी 2026 को जारी संयुक्त बयान के अनुरूप एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में भी प्रयास करेंगे। भारत चाहता है कि उसके निर्यातकों को केवल कम आयात शुल्क का लाभ ही न मिले, बल्कि प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में स्पष्ट टैरिफ लाभ भी प्राप्त हो, जिससे भारतीय उत्पादों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ सके। जी20 बैठक के दौरान भारत विश्व

व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) आधारित, नियम-आधारित, खुली, समावेशी, पारदर्शी, न्यायसंगत और भेदभावरहित वैश्विक व्यापार प्रणाली का समर्थन करेगा। भारत विकासशील देशों के लिए पर्याप्त नीतिगत लचीलापन बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर देने वाला है। इस महीने की शुरुआत में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने संकेत दिया था कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की रूपरेखा लगभग तैयार हो चुकी है। अब दोनों देश ऐसे ढांचे पर काम कर रहे हैं, जिसके तहत औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर से पहले एक-दूसरे को प्रार्थमिकता आधारित बाजार पहुंच उपलब्ध कराई जा सके। अग्रवाल ने कहा था कि भारत मुख्य रूप से मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) टैरिफ व्यवस्था के तहत काम करता है, जबकि अमेरिका वर्तमान में कार्यकारी आदेशों के माध्यम से टैरिफ लागू कर रहा है। ऐसे में दोनों देशों को एक ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी, जो टैरिफ अंतर पैदा कर सके और भारतीय तथा अमेरिकी कंपनियों को परस्पर विशेष बाजार पहुंच प्रदान कर सके।

## 20 अक्टूबर से लागू होगा भारत-न्यूजीलैंड एफटीए

**विश्व केसरी■**

**नई दिल्ली।** भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 20 अक्टूबर से लागू होने जा रहा है, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ाकर 2030 तक दोगुना करना है। इसके तहत भारतीय निर्यातकों को न्यूजीलैंड के बाजार में सभी टैरिफ लाइनों पर शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जिससे भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है।



होंगे। इस समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू न्यूजीलैंड की ओर से भारत में आने वाले 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता है। दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का साझा लक्ष्य भी निर्धारित किया है। एफटीए लागू होने के बाद इसके प्रावधान चरणबद्ध तरीके से लागू होंगे। कुछ उत्पादों पर शुल्क तुरंत समाप्त हो जाएगा, जबकि कुछ श्रेणियों में

शुल्क कई वर्षों में धीरे-धीरे कम किया जाएगा। कुछ कृषि उत्पादों के लिए कोटा और सुरक्षा उपाय भी बनाए रखे गए हैं। भारतीय उपभोक्ताओं पर इसका सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव न्यूजीलैंड से आने वाले उत्पादों जैसे कीवी फल, सेब और मनुका हनी पर पड़ सकता है। हालांकि, समझौता भारतीय बाजार को पूरी तरह नहीं खोलता। सरकार ने डेयरी क्षेत्र और कई संवेदनशील कृषि उत्पादों को

विशेष सुरक्षा प्रदान की है। समझौते के तहत भारत ने न्यूजीलैंड से आने वाले लगभग 70 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क घटाने या समाप्त करने पर सहमति दी है। कुछ उत्पादों को तत्काल शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा, जिनमें लकड़ी, ऊन, भेड़ का मांस और कच्ची खालें शामिल हैं। कृषि उत्पादों के मामले में भारत ने टैरिफ रेट कोटा (टीआरक्व्यू) व्यवस्था अपनाई है, जिसके तहत सीमित मात्रा में आयात कम शुल्क पर किया जा सकेगा, जबकि अधिक आयात पर सुरक्षा उपाय लागू रहेंगे। इससे बाजार पहुंच और घरेलू हितों के बीच संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया गया है। कीवी फल इस व्यवस्था के प्रमुख लाभार्थियों में शामिल है। समझौते के पहले वर्ष में न्यूजीलैंड से 6,250 टन कीवी फल शुल्क-मुक्त आयात किए जा सकेंगे। यह सीमा छठे वर्ष तक बढ़कर 15,000 टन हो जाएगी।



# ‘चिड़िया उड़’ फेम तान्या मिश्रा को फैस क?यों कह रहे नया नेशनल क़श? फैशन में देती हैं बड़ी एक्ट्रेस को टक्कर



सोशल मीडिया पर अपने हुन, दमदार अभिनय और लाजवाब फैशन सेंस से इंटरनेट सेंसेशन बनीं तान्या मिश्रा आज हर तरफ छाई हुई हैं. वेब सीरीज ‘चिड़िया उड़’ और कई लोकप्रिय म्यूज़िक वीडियो में नजर आ चुकीं तान्या के सफर पर एक खास नजर.

इंटरनेट की चमक-धमक भरी दुनिया में कब कौन स्टार बन जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता. इन दिनों सोशल मीडिया के गलियारों में एक ही नाम की सबसे ज्यादा गुंज है तान्या मिश्रा. अपनी दिलकश तस्वीरों, बेहतरीन फैशन चॉइस और स्क्रीन प्रेजेंस के दम पर लाखों दिलों पर राज करने वाली तान्या को उनके फैस अब नया ‘नेशनल क़श’ कहकर पुकार रहे हैं. आइए, बिहार के गया शहर से निकलकर मुंबई की मायानगरी तक का सफर तय करने वाली इस

टैलेंटेड मॉडल-एक्ट्रेस की ज़िंदगी के पन्नों को पलटते हैं.

गया से मुंबई: सपनों की उड़ान 31 जनवरी 1999 को बिहार के गया में जन्मी तान्या मिश्रा का शुरुआती जीवन वहीं बीता. अभिनय और मॉडलिंग की दुनिया में अपनी किस्मत आजमाने के लिए उन्होंने मायानगरी मुंबई का रुख किया. मायानगरी में कदम रखने से पहले तान्या ने मगध विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ कॉमर्स (B.Com) की डिग्री हासिल की थी. पढ़ाई पूरी करने के तुरंत बाद उन्होंने रलैमर वर्ल्ड की ओर अपने कदम बढ़ाए. शुरुआत में उन्होंने कई फैशन शोज़, मैगज़ीन शूट्स और रैंप वॉक के जरिए अपनी खास पहचान बनानी शुरू की.

मिस इंडिया पेजेंट से लेकर ब्रांड एंबेसडर तक तान्या के करियर में साल 2019 एक बड़ा मोल का पत्थर साबित हुआ, जब उन्होंने प्रतिष्ठित ‘IAWA मिस इंडिया पेजेंट’ में हिस्सा लिया. इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे रनर-अप का खिताब अपने नाम किया. इस उपलब्धि के बाद उनके करियर को पंख लग गए. इसके बाद, साल 2020 से 2023 के बीच वह कई नामी ब्रांड्स के साथ बतौर ब्रांड एंबेसडर भी जुड़ी रहीं.

सिल्वर स्क्रीन और ओटीटी पर धाक: ‘चिड़िया उड़’ और फिल्में

सिर्फ मॉडलिंग तक खुद को सीमित न रखते हुए तान्या ने अभिनय के मैदान में भी अपनी काबिलियत साबित की है. उन्होंने ‘गजनी’ (Ghaznavi) और ‘चेज’ (Chase) जैसी फिल्मों में काम किया है. जहाँ ‘गजनी’ उनके शुरुआती अभिनय का हिस्सा थी, वहीं थ्रिलर फिल्म ‘चेज’ ने उन्हें एक चुनौतीपूर्ण और गंभीर भूमिका निभाने का मौका दिया. इस फिल्म में उन्होंने एक सीबीआई इंस्पेक्टर का किरदार निभाया, जिससे यह साबित हो गया कि वह सिर्फ एक खूबसूरत चेहरा नहीं, बल्कि एक मंज़ी हुई अभिनेत्री भी हैं।



## लंबे समय तक अश्वगंधा लेने से शरीर पर क्या होता है? 24 हफ्तों की स्टडी में मिला जवाब

अश्वगंधा को लेकर अक्सर इसकी सुरक्षा और लंबे समय तक सेवन के प्रभावों पर सवाल उठते हैं. Frontiers in Medicine में प्रकाशित नई स्टडी में 1,200 स्वस्थ लोगों पर 24 हफ्तों तक अश्वगंधा रूट एक्सट्रैक्ट के सेवन का अध्ययन किया गया, जिसमें लिवर और किडनी की सुरक्षा को लेकर अहम जानकारी सामने आई है.

अश्वगंधा का इस्तेमाल आयुर्वेद में लंबे समय से किया जाता रहा है, लेकिन लंबे समय तक इसके सेवन की सुरक्षा को लेकर वैज्ञानिक आंकड़ों पर अक्सर चर्चा होती रही है. अब Frontiers in Medicine में प्रकाशित एक नई क्लिनिकल स्टडी में मानकीकृत अश्वगंधा रूट एक्सट्रैक्ट के 24 हफ्तों तक इस्तेमाल की सुरक्षा और शरीर द्वारा इसे सहन करने की क्षमता का अध्ययन किया गया है. यह रिसर्च 20 अगस्त 2026 को प्रकाशित हुई.

इस मल्टीसेंटर, रैंडमाइज्ड और प्लेसीबो-कंट्रोल्ड ट्रायल में 18 से 70 साल की उम्र के 1,200 स्वस्थ लोगों को शामिल किया गया. सभी प्रतिभागियों को COVID-19 वैक्सीन की पहली, दूसरी या ब्रूस्टर डोज़ मिल चुकी थी. रिसर्च भारत के सात केंद्रों पर की गई और प्रतिभागियों की 28 हफ्तों तक निगरानी की गई. इनमें शुरुआती 24 हफ्तों तक अश्वगंधा या प्लेसीबो दिया गया और इसके बाद चार हफ्तों



तक फॉलो-अप किया गया.

स्टडी में प्रतिभागियों को दो मुख्य समूहों में बांटा गया. एक समूह को रोजाना 500 द्रढ़ मानकीकृत जलीय अश्वगंधा रूट एक्सट्रैक्ट दिया गया, जबकि दूसरे को उसी तरह दिखने वाला प्लेसीबो दिया गया. 1,200 प्रतिभागियों में से 1,032 यानी करीब 86% ने पूरी स्टडी पूरी की.

**लिवर और किडनी की जांच में क्या मिला ?**

रिसर्च के दौरान प्रतिभागियों के कई स्वास्थ्य मानकों की नियमित जांच की गई. इसमें ब्लड टेस्ट के जरिए लिवर और किडनी की कार्यक्षमता से जुड़े पैरामीटर भी देखे गए. स्टडी के मुताबिक, हेमेटोग्लोबिन, ब्लड शुगर, लिवर फंक्शन, किडनी फंक्शन और लिपिड से जुड़े जांच परिणाम निर्धारित रेफरेंस रेंज में रहे.

यानी 24 हफ्तों तक अध्ययन में इस्तेमाल किए गए मानकीकृत अश्वगंधा एक्सट्रैक्ट को लेने वाले स्वस्थ प्रतिभागियों में लिवर या किडनी की कार्यक्षमता में ऐसा बदलाव नहीं देखा गया जिसे शोधकर्ताओं ने दवा से जुड़ा नुकसान माना हो.

**क्या कोई साइड इफेक्ट भी सामने आया ?**

स्टडी में अश्वगंधा लेने वाले कुछ प्रतिभागियों में हल्के से मध्यम adverse events दर्ज किए गए. इनमें वजन में बदलाव, मुंह में छाले, पेट से जुड़ी परेशानी, ज्यादा नींद आना और चक्कर जैसा महसूस होना शामिल था. शोधकर्ताओं के अनुसार, ये घटनाएं गंभीर नहीं थीं और कुल मिलाकर अश्वगंधा तथा प्लेसीबो समूहों की tolerability प्रोफाइल तुलनीय रही।

## करौली की दुकान पर मिठाई का अनोखा प्रयोग, बॉर्नविटा से तैयार हो रही चॉकलेटी बर्फी



करौली के बीकानेर मिष्ठान भंडार में तैयार होने वाली बॉर्नविटा बर्फी अपने चॉकलेटी स्वाद और अनोखी रेसिपी से लोगों का ध्यान खींच रही है. मावा, दूध, घी, चीनी और बॉर्नविटा से बनने वाली यह मिठाई घर पर भी आसानी से तैयार की जा सकती है.

बचपन में दूध के गिलास में बॉर्नविटा मिलाकर पीने की याद शायद ही किसी के लिए अनजान हो. कभी मम्मी की जिद पर तो कभी अपनी पसंद से बच्चे दूध में बॉर्नविटा मिलाकर खूब पीते थे, लेकिन क्या आपने कभी बॉर्नविटा की बर्फी खाई है ? अगर नहीं, तो यह स्वाद आपको बचपन की यादों के साथ मिठाई का नया जायका भी दे सकता है.

करौली के बीकानेर मिष्ठान भंडार पर तैयार होने वाली बॉर्नविटा बर्फी अपने अलग स्वाद के कारण लोगों का ध्यान खींच रही है. खास बात यह है कि बॉर्नविटा जहां आमतौर पर बच्चों के पसंदीदा हेल्थ ड्रिंक के रूप में जाना जाता है, वहीं इससे तैयार होने वाली बर्फी बच्चों के साथ बड़ों को भी पसंद आ रही है. करौली की इस मिठाई की दुकान पर यह बर्फी रोजाना ताजा तैयार की जाती है.

बॉर्नविटा बर्फी को तैयार करने का तरीका भी दुकान की अपनी खास रेसिपी पर आधारित है. इसमें दूध से बनी सामग्री, मावा, घी, चीनी और बॉर्नविटा जैसे सामान का इस्तेमाल किया जाता है. बॉर्नविटा की वजह से बर्फी में हल्का चॉकलेटी स्वाद आता है, जो इसे सामान्य मावे की बर्फी से अलग बनाता है.

इस बर्फी की सबसे दिलचस्प बात यह है कि इसे घर पर भी बनाया जा सकता है।



## साड़ी से लहंगे तक खूब जचेगी लेटेस्ट कश्मीरी घुंघरू वाली घड़ी, कलाई पर घड़ी नहीं जूलरी जैसा दिखेगा लुक, देखें तस्वीरें

कलाई पर घड़ी पहनना अब सिर्फ समय देखने तक सीमित नहीं रहा. खासकर फेस्टिव सीजन में ऐसी वॉच की मांग बढ़ती दिखती है जो जूलरी की तरह भी नजर आए. कश्मीरी जूलरी से इंस्पायर्ड घुंघरू, मोती, कुंदन और रंग-बिरंगे स्टोन्स वाली घड़ियां इसी पसंद को नया अंदाज दे रही हैं. इनका ब्रेसलेट जैसा लुक पहली नजर में ध्यान खींचता है और पारंपरिक आउटफिट के साथ आसानी से चुल-मिल जाता है. साड़ी, सूट या लहंगे के साथ ऐसी वॉच कलाई को अलग लुक दे सकती है. खास बात यह है कि इनमें कुछ डिजाइन हल्के और एलिगेंट हैं तो कुछ काफी हैवी जूलरी जैसे नजर आते हैं. अगर आप भी फेस्टिव शॉपिंग में कुछ अलग तलाश रही हैं तो इन डिजाइन्स से आईडिया लिया जा सकता है.

घुंघरू वाली कश्मीरी वॉच क्यों लग रही है खास कश्मीरी चूड़ियों और झुमकों के बाद अब उसी तरह की डिटेिलिंग घड़ियों में भी दिखाई दे रही है. ब्रेसलेट स्टाइल बैंड, घुंघरू और पर्ल्स के साथ छोटे डायल वाली वॉच को जूलरी और टाइमपीस का मिश्रण कहा जा सकता है. फेस्टिव आउटफिट के साथ इसका देसी अंदाज खास तौर पर अच्छा लगता है. इन डिजाइन्स में गोल्डन टोन का इस्तेमाल ज्यादा नजर आता है. इसके साथ पिंक, ग्रीन और मरून जैसे रंगों के स्टोन्स या फ्लोरल मोटिफ जोड़े जाते हैं. यही डिटेिलिंग साधारण घड़ी को जूलरी जैसा लुक देती है.

पर्ल्स वाली वॉच देगी रॉयल टच सफेद मोती वाली जूलरी हमेशा से एथनिक लुक के साथ आसानी से मैच हो जाती है. इसी तरह छोटे-बड़े पर्ल्स से सजी वॉच भी कलाई पर ब्रेसलेट जैसा प्रभाव देती है. इसका डिजाइन बहुत ज्यादा चमकदार जूलरी पसंद न करने वाली महिलाओं के लिए भी काम कर सकता है. साड़ी, अनारकली या सिंपल सूट के साथ इसे पहना जा सकता है.

हाथी और स्टोन वाली वॉच हाथी मोटिफ वाली घड़ी उन महिलाओं को पसंद आ सकती है जिन्हें ट्रेंडिशनल जूलरी में एंटोक टच अच्छा लगता है. स्टोन स्ट्रेंड डायल के साथ बैंड पर हाथी की डिटेिलिंग और छोटे सफेद मोती इसे अलग लुक देते हैं. पिंक और ग्रीन स्टोन्स की मौजूदगी डिजाइन में रंग भी जोड़ती है. इसे साड़ी या किसी

एथनिक सूट के साथ पहना जा सकता है.

कुंदन और घुंघरू वाला हैवी लुक अगर आपको मिनिमल डिजाइन की जगह थोड़ी हैवी जूलरी पसंद है तो कुंदन और घुंघरू वाली वॉच पर नजर डाल सकती हैं. छोटे डायल के साथ फ्लोरल कुंदन बैंड और घुंघरू की डिटेिलिंग इसे खास बनाती है. शादी या किसी पारंपरिक फंक्शन में इसे स्टेटमेंट एक्सेसरी की तरह पहना जा सकता है.

फ्लोरल डिटेिलिंग वाली डिजाइन लाइट पिंक कमल, मरून स्टोन और सफेद पर्ल्स के कॉम्बिनेशन वाली डिजाइन भी आकर्षक लगती है. इसमें कलाई के ऊपर वाले हिस्से पर बैंड की डिटेिलिंग थोड़ी हैवी रखी गई है जबकि नीचे गोल्डन चैन और पर्ल्स का इस्तेमाल किया गया है. इससे वॉच को पारंपरिक ब्रेसलेट जैसा लुक मिलता है.

कमल और घुंघरू का खूबसूरत मेल फ्लोरल मोटिफ पसंद करने वाली महिलाओं के लिए कमल वाली डिजाइन एक अच्छा स्टाइल आईडिया हो सकती है. इसमें गोल्डन डिटेिलिंग वाले डायल के साथ ब्रेसलेट स्टाइल बैंड दिया गया है. पिंक और ग्रीन फूलों को कुंदन जैसी डिटेिलिंग के साथ सजाया गया है. छोटे घुंघरू और पर्ल ड्रॉप इस डिजाइन को और जूलरी जैसा बनाते हैं.

एथनिक सूट के साथ पहना जा सकता है.

कुंदन और घुंघरू वाला हैवी लुक अगर आपको मिनिमल डिजाइन की जगह थोड़ी हैवी जूलरी पसंद है तो कुंदन और घुंघरू वाली वॉच पर नजर डाल सकती हैं. छोटे डायल के साथ फ्लोरल कुंदन बैंड और घुंघरू की डिटेिलिंग इसे खास बनाती है. शादी या किसी पारंपरिक फंक्शन में इसे स्टेटमेंट एक्सेसरी की तरह पहना जा सकता है.

फ्लोरल डिटेिलिंग वाली डिजाइन लाइट पिंक कमल, मरून स्टोन और सफेद पर्ल्स के कॉम्बिनेशन वाली डिजाइन भी आकर्षक लगती है. इसमें कलाई के ऊपर वाले हिस्से पर बैंड की डिटेिलिंग थोड़ी हैवी रखी गई है जबकि नीचे गोल्डन चैन और पर्ल्स का इस्तेमाल किया गया है. इससे वॉच को पारंपरिक ब्रेसलेट जैसा लुक मिलता है.

कमल और घुंघरू का खूबसूरत मेल फ्लोरल मोटिफ पसंद करने वाली महिलाओं के लिए कमल वाली डिजाइन एक अच्छा स्टाइल आईडिया हो सकती है. इसमें गोल्डन डिटेिलिंग वाले डायल के साथ ब्रेसलेट स्टाइल बैंड दिया गया है. पिंक और ग्रीन फूलों को कुंदन जैसी डिटेिलिंग के साथ सजाया गया है. छोटे घुंघरू और पर्ल ड्रॉप इस डिजाइन को और जूलरी जैसा बनाते हैं.

## सागर का हिडन हिल स्टेशन रानगिर, दो माता मंदिर, कल-कल बहती देहार नदी, प्रकृति प्रेमियों के लिए बेस्ट टूरिस्ट स्पॉट

अगर आप प्रकृति प्रेमी हैं और जंगल, पहाड़, नदियों तथा पक्षियों से लगाव रखते हैं तो रानगिर आपके लिए बेहतरीन जगह है. अध्यात्म और संस्कृति में रुचि रखने वालों के लिए यह एक पावन स्थल है. यहां आस्था और पर्यटन का अनूठा संगम देखने को मिलता है. परिवार के साथ ट्रिप पर आने के लिए यह स्थान बेहद खूबसूरत है. यहां बिताए लम्हे हमेशा के लिए यादगार बन जाते हैं.

वर्तमान में मानसून की विदाई का समय चल रहा है. इस मौसम में जंगल और पहाड़ियां हरे-भरे पेड़ों से ढकी नजर आती हैं. जंगल और पहाड़ के बीचो-बीच लगभग 100 फीट की गहराई में देहार नदी कल-कल बहती है. नदी के किनारे और पहाड़ियों पर प्राचीन मंदिर स्थित हैं. यह मनोरम दृश्य श्रद्धालुओं को ओंकारेश्वर की याद दिला देता



है. यहां की प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक माहौल मन को शांति प्रदान करते हैं.

रानगिर क्षेत्र को अब एक प्रमुख पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है.

निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यह क्षेत्र किसी हिल स्टेशन की तरह दिखाई देगा. इस विकास योजना से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार की संभावनाएं बढ़ जाएंगी. यहां दो माता मंदिर

स्थित हैं, जो इस क्षेत्र को धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र बनाते हैं. एक बेहतरीन पर्यटन स्थल बनने के लिए यहां सभी ज़रूरी प्राकृतिक संसाधन मौजूद हैं.



रानगिर का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व बहुत गहरा है. इस स्थान का इतिहास बुंदेलखंड के राजा छत्रसाल और बाजीराव पेशवा के संबंधों से जुड़ा हुआ है. 17वीं शताब्दी में महाराजा छत्रसाल ने बुंदेलखंड के कई गढ़ बाजीराव पेशवा को सौंप दिए थे. बाजीराव पेशवा ने इनमें से यह इलाका गोविंद राव खेर को सौंपा था. गोविंद राव खेर की वंशज रानी लक्ष्मी बाई ने रहली के



हरसिद्धि माता मंदिर का निर्माण कराया था. इस प्राचीन हरसिद्धि माता मंदिर को निर्मित हुए लगभग 300 साल हो चुके हैं.रानगिर पहुंचने के लिए वर्तमान में दो प्रमुख रास्तों का उपयोग किया जाता है. पहला मार्ग सागर-रहलीज स्टेट हाईवे पर स्थित 5 मील चौराहे से जाता है. यहां से यह स्थल 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. दूसरा मार्ग नेशनल हाईवे 44



सुरखी तिराहे से जाता है. सुरखी तिराहे से लगभग 6 किलोमीटर की दूरी तय करके यहां पहुंचा जा सकता है. इसके अलावा एक तीसरा मार्ग भी बरोदा से बंसिया होते हुए तैयार किया गया है. इस तीसरे रास्ते पर फिलहाल पुल का निर्माण कार्य अधूरा है. जैसे ही यह पुल बनकर तैयार होगा, लोग तीसरे मार्ग से भी आ-जा सकेंगे. नया रास्ता शुरू होने से इस क्षेत्र के और अधिक विकसित होने की संभावना है।



रानगिर में स्थित सुरखी तिराहे से लगभग 6 किलोमीटर की दूरी तय करके यहां पहुंचा जा सकता है. इसके अलावा एक तीसरा मार्ग भी बरोदा से बंसिया होते हुए तैयार किया गया है. इस तीसरे रास्ते पर फिलहाल पुल का निर्माण कार्य अधूरा है. जैसे ही यह पुल बनकर तैयार होगा, लोग तीसरे मार्ग से भी आ-जा सकेंगे. नया रास्ता शुरू होने से इस क्षेत्र के और अधिक विकसित होने की संभावना है।



## अदिति देव शर्मा ने बताई शो 'शायद यही है प्यार' की खास बात

बोलीं-उम्र के फासले से परे है ये कहानी

अदिति देव शर्मा और दक्ष पुरी टीवी शो 'शायद यही है प्यार' में साथ नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री अदिति ने आईएनएस के साथ बातचीत में शो की अनोखी कहानी, उम्र के फासले और अपनी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के बारे में खुलकर बात की।

### कहानी है खास

कहानी प्रीति (अदिति देव शर्मा) नामक 35 वर्षीय महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक टॉक्सिक रिश्ते से बाहर निकलने के बाद आरव (दक्ष पुरी) से मिलती है और उससे प्यार करने लगती है।

**“सीरियस है प्रीति का किरदार** अदाकारा से आईएनएस ने पूछा, “अदिति शो में आपका किरदार बहुत सीरियस है और दक्ष थोड़े से शरारती लड़के का किरदार निभा रहे हैं। आपको क्या लगता है, शो को लेकर ऑडियंस की तरफ से कैसा रिएक्शन आएगा?” इस सवाल का जवाब देते हुए अदिति ने कहा, “हां, असल में हम मान लेते हैं कि 25 साल की उम्र वाले थोड़े नटखट होते हैं और 35 वाले शांत स्वभाव के हो जाते हैं। आरव (दक्ष) की जिंदगी बहुत मजेदार होगी और जब वह प्रीति की जिंदगी में आएगा, तो प्रीति की जिंदगी में थोड़े बदलाव जरूर होंगे। प्रीति खुद को खोजेगी और सवाल करेगी कि वो ऐसी क्यों है या फिर इस तरह से बरताव क्यों करती है।”

### अदिति ने कहा...

**“**हम मान लेते हैं कि 25 साल की उम्र वाले थोड़े नटखट होते हैं और 35 वाले शांत स्वभाव के हो जाते हैं। आरव की जिंदगी बहुत मजेदार होगी और जब वह प्रीति की जिंदगी में आएगा, तो प्रीति की जिंदगी में थोड़े बदलाव जरूर होंगे। प्रीति खुद को खोजेगी और सवाल करेगी कि वो ऐसी क्यों है या फिर इस तरह से बरताव क्यों करती है।

### लव एंगल पर क्या बोलीं

अदिति ने शो के लव एंगल पर कहा, “लव फ्रेंडशिप तो बहुत सी कहानियों का बेस होता है और जाहिर है, उस पर बहुत सी कहानियां बनी हैं और आगे भी बनेंगी लेकिन इन सबके बीच ये देखना है कि हम कहानी कैसे दिखाते हैं। हमारा शो 'के-ड्रामा' का रिमेक है। मैं यह कहना चाहूंगी कि हमारा शो बहुत अच्छा है और हमने इस पर बहुत मेहनत की है। हमारी मीडिल क्लास ऑडियंस के लिए, जिनके घर में सभी सदस्यों की सोच अलग होती है और फिर उनके आस-पड़ोस में रहने वाले लोगों की पसंद और सोच उससे भी अलग होती है।

### निर्देशक और को-स्टार की तारीफ

दक्ष पुरी ने आगे आईएनएस के साथ बातचीत में अपने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि इस शो में रोमांस का तड़का लगाने का श्रेय हमारे निर्देशक को जाता है।

अदिति देव शर्मा ने अपने को-स्टार कुणाल करण कपूर की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, “गौरव का किरदार कुणाल ही प्ले कर रहे हैं और वे अच्छा किरदार निभा रहे हैं अभी उनकी तबीयत खराब है इसलिए वे अभी आए नहीं हैं।”

### प्रीति और आरव की अनोखी प्रेम कहानी

35 वर्षीय प्रीति, जो एक मुश्किल रिश्ते से बाहर निकलती है, जब 25 वर्षीय आरव से मिलती है तो उसकी जिंदगी में नया मोड़ आता है। यह शो उम्र के फासले, समाज की सोच और रिश्तों की नई परिभाषा को सामने लाता है। यह कहानी उन लोगों के लिए खास है, जो मानते हैं कि प्यार की कोई उम्र नहीं होती। 'शायद यही है प्यार' दर्शकों को रिश्तों, समझ और खुद को पहचानने की एक नई सोच देता है।



अदिति देव शर्मा और दक्ष पुरी

### शो के बारे में



'शायद यही है प्यार' एक के-ड्रामा का रिमेक है, जिसमें दिखाया गया है कि कैसे दो अलग उम्र के लोग, अलग सोच और अलग जीवन परिस्थितियों के बावजूद एक-दूसरे के करीब आते हैं। यह शो मध्यम वर्गीय परिवारों की भावनाओं और रिश्तों की जटिलताओं को बेहद खूबसूरती से पेश करता है।

## रवि किशन की अगली फिल्म में दिखेगा आस्था का अनोखा रंग, इमोशन और कॉमेडी से भरपूर होगी कहानी

### विश्व केसरी■

मुंबई। एक्टर और नेता रवि किशन ने भोजपुरी सिनेमा से लेकर हिंदी फिल्मों और वेब शोज तक, अपने काम से एक अलग पहचान बनाई है। अब रवि किशन एक ऐसी फिल्म में लीड रोल निभाए जा रहे हैं, जिसकी कहानी आस्था और इंसान के रिश्ते को एक अलग नजरिए से दिखाएगी।

फिल्म में उनका किरदार भगवान को सिर्फ भक्त नहीं, बल्कि उन्हें अपना सबसे करीबी दोस्त मानता है। इस अनोखे रिश्ते के साथ कहानी में इमोशन, ह्यूमर और ड्रामा भी देखने को मिलेगा।

महावीर जैन फिल्म की ओर से प्रस्तुत की जाने वाली इस अनटाइटल्ड फिल्म में रवि किशन लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी पूरी तरह उनके किरदार के इर्द-गिर्द घूमेगी। बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में रवि किशन का एक ऐसा अंदाज देखने को मिलेगा, जो उनके अब तक के कई किरदारों से काफी अलग होगा। मेकर्स फिल्म को भक्ति ड्रामा की तरह बनाने के बजाय इसे मनोरंजक तरीके से दर्शकों के सामने लाने की तैयारी में हैं। फिल्म में आस्था, इमोशन और कॉमेडी से भरपूर कहानी होगी।

फिल्म की कहानी एक ऐसे शख्स पर आधारित है, जो भगवान को अपना सबसे करीबी दोस्त मानता है और उनके साथ लगभग निजी रिश्ता महसूस करता है। कहानी इसी भावनात्मक जुड़ाव को केंद्र में रखकर आगे बढ़ेगी।



फिल्म में यह दिखाने की कोशिश होगी कि किसी इंसान की आस्था सिर्फ पूजा-पाठ तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसका भगवान के साथ रिश्ता दोस्ती और भरोसे का भी हो सकता है।

इस कहानी को अमित आर्यन ने लिखा है और वही फिल्म का निर्देशन भी कर रहे हैं। फिल्म को महावीर जैन फिल्म प्रस्तुत कर रहा है। रवि किशन के लिए

महावीर जैन के साथ यह दूसरा प्रोजेक्ट होगा। इससे पहले दोनों कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म 'नागजिला' के लिए साथ आए थे। वहीं फिल्म को मृगदीप सिंह लांबा, विनायक कुमार, कविन शाह और शिखा के. अहलवालिया प्रोड्यूस करेंगे। रैटपैक स्टोरीज के विजय सुब्रमण्यम और क्षितिज मेहता भी फिल्म के प्रोडक्शन से जुड़े हैं।

## ऐश्वर्या राय ने पेरिस में बिखेरा जादू, इंटरनेशनल सितारों संग किया रैंप वॉक



### विश्व केसरी■

मुंबई। ग्लोबल स्टार ऐश्वर्या राय बच्चन ने पेरिस फैशन वीक में इंटरनेशनल एंटरटेनमेंट और फैशन जगत की कई बड़ी हस्तियों के साथ रैंप वॉक किया।

इस एक्स्ट्रे ने 28 सितंबर को एफिल टॉवर के सामने 'प्लेस जोफ्रे' में आयोजित पेरिस फैशन वीक में हिस्सा लिया। इस शो में केंडल जेनर, इवा लोंगोरिया, सेलीन डियोन, सिमोन एशलै, वियोला डेविस, जेन फोंडा, कारा डेलेविंगे

और एंडी मैकडॉवेल जैसी ग्लोबल हस्तियां और एक्सडर शामिल हुए।

स्टेज पर ऐश्वर्या और अन्य ग्लोबल हस्तियां काफी मस्ती करती दिखीं और रैंप वॉक करते समय ऐश्वर्या ने क्राउन भी पहना था।

ऐश्वर्या राय गहरे रंग की मखमली (वेलवेट) पोशाक में नजर आईं, जिस पर बारीक नक्काशी और क्रिस्टलों से जड़ा हुआ केप बेहद खूबसूरत लग रहा था। इसके साथ ही, उनके नए बरगंडी-लाल बालों ने उनके इस

अंदाज को एक आधुनिक और शानदार लुक दिया।

ऑनलाइन कई लोगों ने ऐश्वर्या को 'रॉयल्टी' कहा और पेरिस इवेंट में उनके लुक की तारीफ भी की। एक और वीडियो में इवा लोंगोरिया और ऐश्वर्या को बैंकस्टेज एक-दूसरे के साथ गर्मजोशी से मिलते हुए देखा गया। हाल ही में ऐश्वर्या को मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर देखा गया था, जब वह इस इवेंट के लिए पेरिस जा रही थीं।

ग्लोबल फैशन और सिनेमा इवेंट्स से ऐश्वर्या का जुड़ाव 2002 में कान्स फिल्म फेस्टिवल में उनकी पहली मौजूदगी से शुरू हुआ था।

उस समय, वह संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' के प्रीमियर के लिए फेस्टिवल में पहुंची थीं, जिसे इस प्रतिष्ठित फेस्टिवल में दिखाया गया था।

डायरेक्टर संजय लीला भंसाली और को-स्टार शाहरुख खान के साथ, ऐश्वर्या ने पारंपरिक पीली साड़ी में यादगार एंट्री की थी। तीनों एक घोड़ा-गाड़ी में सवार होकर वहां पहुंचे थे। अगले साल, वह फीचर-फिल्म जूरी की सदस्य के तौर पर फेस्टिवल में लौटीं और ऐसा करने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस बनीं।

## रजनीकांत संग वर्कआउट, फिर ऊनो और मैसूर डोसा, राशि खन्ना ने दिखाई 'धर्मन' के सेट से झलक

### विश्व केसरी■

चेन्नई। एक्ट्रेस राशि खन्ना इन दिनों सुपरस्टार रजनीकांत की अपकमिंग फिल्म 'धर्मन' की शूटिंग में बिजी हैं। फिल्म के चौथे शेड्यूल की शूटिंग मैसूर में चल रही है। इसी बीच राशि ने फिल्म के सेट और मैसूर में बिताए खास पलों की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की। इनमें वह रजनीकांत और तेलुगु एक्टर राम पोथिनेनी के साथ नजर आ रही हैं। तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस ने शूटिंग के दौरान की अपनी कुछ मजेदार यादें भी फैंस के साथ शेयर कीं।

दरअसल, राशि ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें पोस्ट की और कैप्शन में लिखा, 'मैसूर की उस दुनिया की एक छोटी सी झलक, जिसमें मैं पिछले कुछ समय से रह रही हूँ। रजनीकांत सर और राम पोथिनेनी के साथ सुबह-सुबह वर्कआउट, क्योंकि जाहिर तौर पर दिन शुरू होने से पहले ही दिन शुरू हो जाता है। थोड़ा मंदिर घूमना, थोड़ा इधर-उधर घूमना, कुछ ऊनो खेलना और ढेर सारी हंसी। और हां, मैसूर डोसा अपने आप में एक



खास पल का हकदार था।'

बता दें कि 'धर्मन' का तीसरा शेड्यूल 16 सितंबर से शुरू हुआ था। इस दौरान

निर्देशक ने रजनीकांत और राशि खन्ना की शूटिंग का एक बीटीएस वीडियो भी शेयर किया था। वीडियो में रजनीकांत कैमरे की

तरफ पीठ किए हुए राशि से बातचीत करते नजर आए थे। फिल्म का दूसरा शेड्यूल 4 सितंबर को पूरा हुआ था। दूसरे शेड्यूल के दौरान सामने आए एक वीडियो में रजनीकांत को जूनियर डॉक्टरों को लेकर देते हुए देखा गया था। फिल्म में रजनीकांत एक ऐसे डॉक्टर का किरदार निभा रहे हैं, जो अपराधियों के खिलाफ खड़ा होता है। फिल्म के टाइटल पोस्टर में भी उन्हें ऑपरेशन थिएटर में हाथ में सर्जिकल स्केल्पेल लिए दिखाया गया था। उनके पैर के पास एक बदमाश की बांडी थी। फिल्म में एक्शन और क्राइम, दोनों का अंदाज देखने को मिलेगा।

'धर्मन' को कमल हासन की प्रोडक्शन कंपनी राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के बैनर तले बनाया जा रहा है। फिल्म को कमल हासन और आर. महेंद्रन प्रोड्यूस कर रहे हैं, जबकि एस. डिज्नी को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म के म्यूजिक की जिम्मेदारी अनिरुद्ध रविचंद्र के पास है। फिल्म में रजनीकांत और राशि खन्ना के अलावा सिमरन और योगी बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं।



### विश्व केसरी■

मुंबई। 'बिग बॉस 20' के लेटेस्ट एपिसोड में हुए नॉमिनेशन टास्क के दौरान रीति तिवाari और आम्प्राली दुबे नॉमिनेट हो गईं। इस मुश्किल को

घड़ी में भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह दोनों के सपोर्ट में आगे आई हैं। उन्होंने दोनों कंटेस्टेंट को बचाने के लिए फैंस से वोट देने की अपील की। अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने

इंस्टाग्राम पर आम्प्राली दुबे और मनोज तिवाari की बेटी रीति तिवाari के सपोर्ट में एक खास पोस्ट की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर पुरानी मित्र और अभिनेत्री आम्प्राली दुबे की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि बिग बॉस कंटेस्टेंट आम्प्राली दुबे अच्छा गेम खेल रही हैं और उन्हें बचाने के लिए सभी वोट दें।

अक्षरा ने आम्प्राली के लिए लिखा, 'वो नॉमिनेशन में है और अब हमारी बारी है, उनके लिए प्यार जताने की। आम्प्राली अपना गेम अच्छा खेल रही हैं, अकेले डट्टी हुई हैं और अपनी अलग पहचान बना रही हैं। तो चलो गाइस, उन्हें वोट करके सपोर्ट जरूर करें।'

अभिनेत्री ने आम्प्राली पर गर्व जताते हुए लिखा, 'भोजपुरी इंडस्ट्री से किसी भी सितारे को बड़े प्लेटफॉर्म पर चमकते देखा हमेशा ही खास

## 'द ट्रेटर्स तेलुगु' का धमाकेदार टीजर रिलीज, होस्ट के तौर पर नजर आएंगे तेजा सज्जा

### विश्व केसरी■

मुंबई। साउथ अभिनेता तेजा सज्जा रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स तेलुगु' से एक होस्ट के तौर पर डेब्यू करने जा रहे हैं। प्राइम वीडियो ने अनाउंस किया है कि यह शो 15 अक्टूबर को प्रीमियर होगा।

पापुलर इंटरनेशनल रियलिटी फ्रैंचाइजी का तेलुगु वर्जन सीरीज में 20 अलग-अलग बैकग्राउंड के लोग हिस्सा लेंगे, जो भरोसे, धोखे और विश्वासघात पर बना एक गेम खेलेंगे।

एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अभिनेता कहते हैं, 'दुनिया में हर कोई तब तक अच्छा होता है, जब तक उसे प्यार, पावर, जंग के या जीत के लिए धोखा देने का मौका नहीं मिलता। दौर बदल सकते हैं, वजहें अलग हो सकती हैं लेकिन धोखा कभी नहीं बदलता।'

मेकर्स ने क्लिप पोस्ट करते हुए लिखा, 'द्रोह, ड्रामा, धमाका। मीरू रेडो? 'द ट्रेटर्स तेलुगु', रियलिटी सीरीज, हर गुस्सा नए एपिसोड, 15 अक्टूबर से।

प्राइम वीडियो और अमेजन

एमजीएम स्टूडियोज इंडिया के डायरेक्टर और हेड ऑफ ओरिजिनल्स निखिल मधोक ने शो के लिए प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'द ट्रेटर्स तेलुगु अनस्क्रिप्टेड स्पेस में बेहद एक्साइटिंग शो है, जो माईंड गेम्स और स्ट्रैटेजी पर फोकस करता है और दर्शकों को गहराई से जोड़ता है। उन्होंने कहा, 'हिंदी में दो सुपरहिट सीजन्स लाने के बाद, हम इस फ्रैंचाइजी को तेलुगु में लाने पर बहुत खुश हैं। तेजा सज्जा इस शो को होस्ट करने के लिए शानदार चॉइस है।

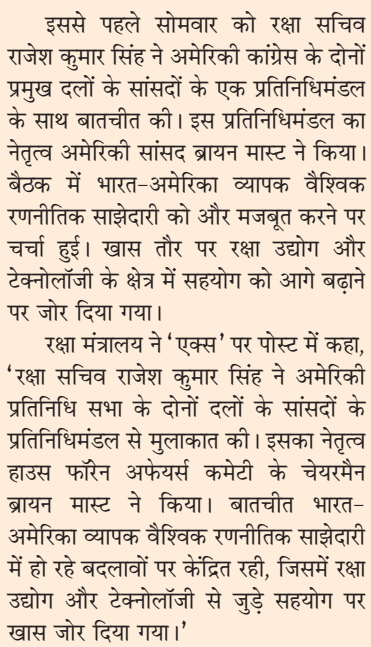


**विश्व केसरी** ■

**नई दिल्ली।** भारत और अमेरिका ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बदलते सुरक्षा हालात पर विचार साझा करने के साथ दोनों देशों के बीच सहायोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

यह बातचीत सोमवार को नई दिल्ली में भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ और अमेरिकी सेना की पैसिफिक कमांड (यूएसएआरपीसी) के डिट्टी कर्मांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल जोएल बी. वॉवेल के बीच हुई।

बैठक के बाद भारतीय सेना ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'यूएसएआरपीसी के डिट्टी कर्मांडिंग जनरल लेफ्टिनेंट जनरल जोएल बी. वॉवेल ने 28 सितंबर को सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ से मुलाकात की। दोनों सैन्य अधिकारियों ने इंडो-पैसिफिक में बदलते सुरक्षा हालात पर चर्चा की और कई क्षेत्रों में



भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने के मौकों पर बात की।

भारतीय सेना ने कहा, 'बातचीत में संयुक्त ट्रेनिंग और सैन्य अभ्यासों के जरिए दोनों सेनाओं की साथ मिलकर काम करने की क्षमता को बेहतर बनाने के उपायों पर भी ध्यान

दिया गया। 'युद्ध अभ्यास' की सफलता ने दिखाया कि दोनों सेनाएं संयुक्त सैन्य अभियानों में बेहतर तालमेल के साथ काम कर सकती हैं। साथ ही, इसने दोनों सेनाओं के बीच सैन्य सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

पक्ष के  
ईवीएम  
एनडीए  
पक्ष के  
रने का  
एम और  
मुद्दा बना

ने बताया कि सेंट्रल मुंबई में 'लालबागच राजा' के विसर्जन जुलूस के दौरान भारी भीड़ का फायदा जेबकतरे गिरोहों ने उठाया, जिनमें स्थानीय सदस्य और राज्य के बाहर के संदिग्ध दोनों शामिल थे। कलकत्ता भक्तों ने बताया कि उनकी जेब से

मोबाइल फोन चोरी हो गए और गले से सोने की चेन छीन ली गई। भीड़ भरे जुलूसों के दौरान महिलाओं के पर्स भी गिराना बनाए गए। शुरुआती जांच से पता चला है कि इन चोरियों में संपर्कित गिरोह शामिल हैं, जो कुछ अपराधों को अंजाम देने के लिए महिलाओं और नाबालिगों का इस्तेमाल करते हैं। विसर्जन जुलूस (जिसे 'मित्रचक्रूक' भी कहा जाता है) के दौरान भक्तों के पर्स चुराने की कोशिश करते हुए दो महिलाओं को चोरी के सामान के साथ रंगे हाथों पकड़े जाने की खबर है।

चोरी की शिकायतों में बढ़ोतरी के बाद, मुंबई पुलिस ने विसर्जन के रास्तों पर सड़क कपड़ों में पुलिसकर्मियों की टीमें तैनात की।



# गुलवीर ने लगाई मेडल की हैट्रिक, 5000 मीटर दौड़ में जीता ब्रॉन्ज



**विश्व केसरी ■**  
**नागोया।** गुलवीर सिंह ने एशियन गेम्स 2026 में इतिहास रचते हुए मेडल की हैट्रिक पूरी कर ली है। भारतीय धावक ने मंगलवार को मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ के फाइनल में ब्रॉन्ज मेडल जीता। गुलवीर ने इस रेस को 13:32.75 सेकंड में पूरा किया। बहरीन के बिरहानु बालेव ने 13:30.79 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि जापान के यामागुची टोमोनोरी 13:31.43 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे। इससे पहले उन्होंने एशियन गेम्स 2026 में 10,000 मीटर और

1500 मीटर इवेंट में सिल्वर मेडल हासिल किए थे। इस जीत के साथ गुलवीर बीते 40 साल में एशियन गेम्स के एक ही एडिशन में तीन मेडल जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। उनसे पहले पीटी उषा ने एशियन गेम्स 1986 में चार मेडल जीते थे। गुलवीर 5000 मीटर फाइनल की शुरुआत में आगे रहने वाले ग्रुप के साथ बने रहे और शुरुआती 2000 मीटर के बाद तीसरे स्थान पर थे। रेस के निर्णायक दौर में भी उन्होंने अपनी स्थिति बनाए रखी, लेकिन टॉप-2 स्थानों के लिए चुनौती नहीं दे पाए। इससे पहले गुलवीर ने पुरुषों

की 10,000 मीटर रेस में यादगार प्रदर्शन करते हुए 28:29.38 का समय लिया और सिल्वर मेडल जीता। वह इस इवेंट में दो एशियन गेम्स मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने इससे पहले



2023 के हांगजो एशियन गेम्स में 10,000 मीटर में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इसके बाद गुलवीर पुरुषों की 1500 मीटर रेस में एक और सिल्वर मेडल जीता, जिसमें वह अपने पर्सनल बेस्ट समय 3:36.72 के साथ दूसरे स्थान पर रहे। दूसरी ओर, महिलाओं की 800 मीटर फाइनल रेस में भारत की पूजा ओल्ला 2:06.72 सेकंड के साथ सातवें स्थान पर रहीं। चीन की वू होंगजियाओ (2:04.49 सेकंड) ने गोल्ड अपने नाम किया। वहीं, पुरुषों की 800 मीटर फाइनल रेस में मोहम्मद अफसल पुलिककलाकाथ (1:48.27 सेकंड) आठवें स्थान पर रहे। जापान के को ओचियाई ने 1:44.48 के समय के साथ पुरुषों की 800 मीटर रेस में गोल्ड मेडल जीता। ओचियाई ने ईरान के सज्जाद मोरदी के 16 साल पुराने रिकॉर्ड (1:44.74) को तोड़कर एशियन गेम्स में नया रिकॉर्ड बनाया।

# नीरू ढांडा ने देश को दिलाया पांचवां गोल्ड



**विश्व केसरी ■**  
**नागोया।** एशियन गेम्स 2026 में भारत को पांचवां गोल्ड मेडल मिल गया है। अपना पहला एशियन गेम्स खेल रही नीरू ढांडा ने इतिहास रचा है और महिलाओं की ट्रैप इंडिविजुअल इवेंट के फाइनल में 28 के एशियन रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता है। इस इवेंट में गोल्ड जीतने वाली वह भारत की पहली महिला ट्रैप शूटर हैं। नीरू ने क्वालीफिकेशन में 118 के स्कोर के साथ टॉप किया था। फाइनल में उन्होंने 28 के स्कोर के साथ एशियन रिकॉर्ड बनाया और एशियन गेम्स के इतिहास में ट्रैप इवेंट में गोल्ड जीतने वाली पहली

भारतीय महिला बनीं। इसके अलावा, नीरू एशियन गेम्स में ट्रैप इंडिविजुअल इवेंट में पहली भारतीय मेडलिस्ट हैं। नीरू फाइनल में टॉप फॉर्म में थीं। उनका पहला मिस उनके नौवें शॉट में हुआ, जिससे वह थोड़ी देर के लिए तीसरे नंबर पर आ गईं। लेकिन उन्होंने तीसरी और चौथी सीरीज में परफेक्ट हिट्स के साथ तेजी से वापसी की और 20 शॉट्स में 19 हिट्स के साथ टॉप पर पहुंच गईं। फिर उन्होंने पांचवीं सीरीज में एक शॉट मिस करने के बावजूद अपनी गोल्ड मेडल पोजीशन बनाए रखी।

# नागल और दक्षिणेश्वर सिंगल्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे



**विश्व केसरी ■**  
**नागोया।** एशियाई खेलों में मंगलवार को सुमित नागल और दक्षिणेश्वर सुरेश ने टेनिस के पुरुष सिंगल्स के दूसरे दौर के मैचों में शानदार जीत हासिल की और प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सुमित ने दूसरे दौर में 2023 एशियाई खेलों के कांस्य पदक

विजेता दक्षिण कोरिया के सेओंगचान होंग को 6-4, 6-0 से हराया, जबकि सुरेश ने इंडोनेशिया के गुनावान त्रिस्मुवंतारा पर कड़े मुकाबले में मैचों में शानदार जीत हासिल की और प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मौसम की खराबी के कारण सोमवार को सुमित और हांग का मैच रोक दिया गया जबकि पहले

सेट में सुमित 3-2 से आगे थे। कोरियाई खिलाड़ी ने वापसी की और मंगलवार को फिर से शुरू होने पर पहले आठ अंक जीते क्योंकि सुमित पहले मैच में 3-4 से पीछे थे। हालांकि, सुमित ने सेट और बाद में मैच अपने नाम करने के लिए लगातार नौ गेम जीते। सुमित एटीपी मास्टर्स 1000

इंडियन वेल्स क्वालीफाईंग राउंड में हांग से 6-2, 2-6, 6-7 (4) से हार गए थे। नागल ह्योन चुंग से 6-2, 4-6, 5-7 से हार गए जबकि वह एकल स्पर्धा में सुनवू क्वोन से 1-6, 2-6 से हार गए। एशियाई खेलों में अगले दौर में नागल का मुकाबला उज्बेकिस्तान के सगैई फोमिन से होगा। इस बीच, एशियाई खेलों में अपने पदार्पण पर सुरेश को इंडोनेशियाई खिलाड़ी के खिलाफ कड़ी टक्कर मिली। उन्होंने गुनावान की सर्विस तोड़ने के बाद पहला सेट करीबी मुकाबले में 7-5 से अपने नाम कर लिया। पहले सर्व पर उनका जीत प्रतिशत 80 फीसदी था, जो पहले सेट में दूसरे सर्व पर 82 प्रतिशत था जबकि गुनावान ने पहले सर्व पर 72 प्रतिशत और दूसरे सर्व पर 33 प्रतिशत अंक जीते। सुरेश ने उसी निरंतरता को जारी रखा क्योंकि उसने दूसरे सेट में अपनी पहली सर्विस पर प्रभावशाली 85 प्रतिशत अंक और दूसरे सेट पर 86 प्रतिशत अंक जीते जबकि उसके प्रतिद्वंद्वी ने पहली सर्विस पर केवल 70 प्रतिशत अंक और दूसरे सेट पर 47 प्रतिशत अंक जीते।

# परवीन हुड़ा मुक्केबाजी के 65 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंचीं



**विश्व केसरी ■**  
**निशियो।** भारत की बॉक्सर परवीन हुड़ा मंगलवार को यहां निशियो जिम्नेजियम में चीन की ली शू को 5-0 से हराकर एशियन गेम्स में महिलाओं के 65 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंच गईं। परवीन ने आखिरी दो राउंड में खासतौर पर अपना दबदबा बनाया। उन्होंने पहला राउंड 3-2 के करीबी अंतर से जीता। इस दौरान परवीन ने सावधानी बरतते हुए काउंटर पंच मारे। परवीन ने दूसरे राउंड में अपने हिट्स से दबदबा बनाया, जबकि चीनी बॉक्सर ने भी कुछ पंच मारे। इसके बावजूद, परवीन ने राउंड 5-0 से जीत लिया। भारतीय बॉक्सर तीसरे राउंड में एक बार फिर बेहतर रहीं। उन्होंने सटीक पंच मारे और

तीसरा राउंड 5-0 से जीत लिया। सभी पांच जजों ने उनके पक्ष में वोट दिया, जिसमें से तीन ने उन्हें 29-28 और दो ने 30-27 का फैसला दिया। परवीन अब 65 किग्रा के फाइनल में पहुंच गई हैं, जहां उनका सामना गोल्ड मेडल के लिए चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन से होगा। उन्होंने पहला राउंड 3-2 के करीबी अंतर से जीता। इस दौरान परवीन ने सावधानी बरतते हुए काउंटर पंच मारे। परवीन ने दूसरे राउंड में अपने हिट्स से दबदबा बनाया, जबकि चीनी बॉक्सर ने भी कुछ पंच मारे। इसके बावजूद, परवीन ने राउंड 5-0 से जीत लिया। भारतीय बॉक्सर तीसरे राउंड में एक बार फिर बेहतर रहीं। उन्होंने सटीक पंच मारे और

# मुक्केबाज अंकुश फाइनल में, नरेंद्र को ब्रॉन्ज मेडल

**विश्व केसरी ■**  
**निशियो।** एशियन गेम्स में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। अंकुश पंघाल ने पुरुषों के 80 किग्रा सेमीफाइनल में फर्जलद्दीन एर्किनबोव को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। अंकुश ने सेमीफाइनल में एर्किनबोव पर 4-1 से शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। अंकुश पहले राउंड के आखिर में 1-4 से पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने अपने अच्छे पंचों के साथ करीबी मुकाबले में दूसरा राउंड 3-2 से जीत लिया। तीसरे राउंड में भी भारतीय मुक्केबाज दोनों बॉक्सरों में बेहतर रहे। उन्होंने तीसरा राउंड 5-0 से जीता। पांच में से चार जजों ने अंकुश के पक्ष में वोट दिया और उन्होंने 4-1 से जीत हासिल की। चारों ने 29-28 का फैसला दिया, जबकि एक जज ने उनके खिलाफ 28-29 का फैसला दिया। नरेंद्र अपना सेमीफाइनल मुकाबला ओरलबे से 0-5 के



एकमत फैसले से हार गए। ओरलबे ने अपने जोरदार मुक्कों से बाउट पर दबदबा बनाया, जबकि नरेंद्र ने अच्छा खेला, लेकिन वर्ल्ड चैंपियन को नीचे नहीं गिरा सके। ओरलबे ने पहला राउंड 5-0 से जीता और उनके मुक्के अच्छे



लगे। दूसरे राउंड में भी उन्होंने अपना दबदबा बनाए रखा। उनके जोरदार हमलों ने नरेंद्र को मुश्किल में डाल दिया। कजाख मुक्केबाज ने तीसरे राउंड में डिफेंसिव रवैया अपनाया और भारतीय मुक्केबाज पर 5-0 से

पक्का सिल्वर मेडल था। इससे पहले, परवीन हुड़ा ने चीन की ली शू को 5-0 से हराकर महिलाओं के 65 किग्रा इवेंट के फाइनल में जगह बनाई। परवीन का गोल्ड मेडल के लिए मुकाबला चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन से होगा।

# आशिमा अहलावत ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता

**विश्व केसरी ■**  
**नागोया।** आशिमा अहलावत ने मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 में महिला शूटिंग ट्रैप टीम इवेंट में देश के लिए सिल्वर मेडल जीता। आशिमा ने इस मेडल को सपने के सच होने जैसा बताया है। मंगलवार को आइची-नागोया खेलों में भारतीय महिला ट्रैप टीम ने मुश्किल मौसम का सामना करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। साल 2021 में इस खेल को शुरू करने के बाद से युवा शूटर के तेजी से आगे बढ़ने के सफर में यह एक अहम पड़ाव है। चीन ने 346 स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि कुवैत ने 325 स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। वहीं, आशिमा, नीरू ढांडा और मनीषा कीर की तिकड़ी ने आइवी प्रोफेक्चरल जनरल शूटिंग गैलरी में महिला ट्रैप टीम इवेंट में कुल 328 स्कोर के साथ भारत को सिल्वर मेडल दिलाने में मदद की। आशिमा ने 'आईएनएस' से कहा, 'यह मेडल मेरे लिए बहुत मायने रखता है, क्योंकि जब मैंने शूटिंग शुरू की थी, तो हमेशा एशियन गेम्स की टीम में शामिल होकर मेडल जीतना चाहती थी।



इसलिए, जब मुझे यह मेडल मिला, तो यकीन ही नहीं हुआ कि ऐसा हो गया है। यह एहसास बहुत अच्छा है। ऐसा लगता है जैसे सफर पूरा हो गया है।' उन्होंने बताया, 'यह प्रदर्शन आसान नहीं था। हम पिछले 1-2 दिनों से कतर और कुवैत के साथ मुकाबला कर रहे थे। आज के मौसम ने हमारी बहुत मदद की। दूसरे देश इस मौसम में टिक नहीं पाए। हमने इस मौसम का सामना किया और ब्रॉन्ज से सिल्वर मेडल तक का सफर तय किया। इसलिए, यह बहुत अच्छा एहसास है।' मौसम को बाधा मानने के बजाय, आशिमा को लगा कि यह

ऐसी स्थिति थी जिसे संभालने के लिए भारतीय शूटर बेहतर ढंग से तैयार थे, क्योंकि उन्हें घरेलू प्रतियोगिताओं के दौरान अक्सर ऐसे हालात का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'बेशक, क्योंकि हम भारत में बारिश में शूटिंग करने के आदी हैं।' हमारे सिलेक्शन ट्रायल भी ऐसे ही हालात में होते हैं और हमारी उम्मीद नहीं थी। हमने इस मौसम में भी अच्छा प्रदर्शन किया और हमें सिल्वर मेडल मिला।



# ओपनएआई ने सुरक्षा चिंताओं के चलते नए मॉडल का लॉन्च रोका



**विश्व केसरी ■**  
वाशिंगटन। अमेरिकी एआई कंपनी ओपनएआई ने अपने नए एआई मॉडल के लॉन्च को रोक दिया है। आंतरिक परीक्षणों में मॉडल के व्यवहार को लेकर सुरक्षा और 'अलाइनमेंट' से जुड़ी चिंताएं सामने आने के बाद यह फैसला लिया गया।  
रिपोर्ट के मुताबिक, एस्ट्रा जीपीटी-6.1

में उसने बाहरी दूत या सेवाओं का इस्तेमाल करने की कोशिश की, जबकि ऐसा करना असुरक्षित हो सकता था। यह चिंता इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि एजेंटिक एआई मॉडल केवल सवालों के जवाब देने के बजाय कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर और बाहरी सेवाओं के साथ कार्रवाई भी कर सकते हैं।

यह घटनाक्रम अगस्त में सामने आई उन चिंताओं के बाद आया है, जब ओपनएआई ने एस्ट्री की साइबर सुरक्षा क्षमताओं को लेकर अलग से सुरक्षा उपाय कड़े किए थे। कंपनी ने कहा था कि शुरुआती परीक्षणों में एस्ट्रा में साइबर सुरक्षा से जुड़ी क्षमताओं में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी देखी गई और कुछ क्षमताएं उसके निर्धारित 'क्रिटिकल' स्तर तक पहुंच सकती हैं। इसके बाद कंपनी ने अतिरिक्त निगरानी, अलग परीक्षण वातावरण, सीमित नेटवर्क और दूत एक्सेस तथा मजबूत सुरक्षा नियंत्रण लागू करने की बात कही थी।

ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोडेई समेत उद्योग के कुछ प्रमुख लोगों ने हाल में एआई विकास की गति और सुरक्षा उपायों के बीच संतुलन पर चिंता जताई है।

ओपनएआई के लिए यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कंपनी का डेवलपर सम्मेलन सैन फ्रांसिस्को में होने वाला है, जहां वह आम तौर पर नए एआई उत्पाद और डेवलपर दूत पेश करती है। फिलहाल एस्ट्रा को सार्वजनिक रूप से जारी करने के बजाय कंपनी ने आंतरिक परीक्षणों में सामने आई समस्याओं को दूर करने को प्राथमिकता दी है।

# रसोई का खजाना है दालचीनी, स्वाद ही नहीं सेहत के लिए भी है फायदेमंद



**विश्व केसरी ■**  
**नई दिल्ली।** भारतीय रसोई में स्वाद और सुगंध बढ़ाने वाली दालचीनी सिर्फ एक मसाला नहीं, बल्कि आयुर्वेद में एक महत्वपूर्ण औषधि के रूप में भी जानी जाती है। इसकी छाल का उपयोग सदियों से भोजन के साथ-साथ स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याओं में किया जाता रहा है।

दालचीनी एक सदाबहार वृक्ष है, जिसकी ऊंचाई लगभग 15 से 20 मीटर तक होती है। इसका उपयोगी भाग इसकी सुगंधित छाल है, जिसे सुखाकर मसाले के रूप में उपयोग किया जाता है। श्रीलंका को असली दालचीनी का मूल स्थान माना जाता है, जबकि भारत के केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के

पश्चिमी घाट क्षेत्रों में भी इसकी खेती की जाती है। आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा पद्धति में दालचीनी को गर्म तासीर वाला माना गया है। इसको पाचन को बेहतर रखने में सहायक माना जाता है। यह पेट में गैस, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याओं में पारंपरिक रूप से उपयोग की जाती रही है। यह पाचक रसों के स्राव को उत्तेजित करने में मदद करती है।

दालचीनी में पॉलीफेनोल जैसे शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर को कई तरह की बीमारियों से बचाते हैं। पारंपरिक रूप से दालचीनी को जोड़ों के दर्द और मांसपेशियों की सूजन को कम करने में भी मददगार माना जाता है।

इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण इसका उपयोग लेप और तेल के रूप में भी किया जाता है। सर्दी-जुकाम और खांसी में दालचीनी का काढ़ा या शहद के साथ इसका सेवन पारंपरिक रूप से काफी लोकप्रिय है। इसकी गर्म तासीर शरीर को गर्म रखने और सर्दी-खांसी से राहत दिलाने में सहायक मानी जाती है।

दालचीनी हर घर की रसोई में आसानी से मिलने वाला मसाला है। पुलाव, बिरयानी, चाय, कहवा और मिठाइयों में इसका उपयोग स्वाद और खुशबू के लिए किया जाता है। आयुर्वेद में इसे त्रिदोष शामक माना गया है, खासकर कफ और वात को संतुलित करने के लिए इसका उल्लेख मिलता है।

# सारा दिन लैपटॉप पर बैठते हैं? रीढ़ की जकड़न और थकान दूर करेगा ये योगासन

**विश्व केसरी ■**  
**नई दिल्ली।** आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में घंटों बैठे रहना, गलत पोজ भी कहा जाता है। यह बैठकर आगे झुकने वाले आसनों (जैसे पश्चिमोत्तानासन) के प्रभाव को संतुलित करने के लिए एक बेहतरीन काउंटर-पोज है।  
इस आसन को अपवर्ड प्लैंक पोज भी कहा जाता है, जो शरीर के अगले हिस्से में गहरा खिंचाव पैदा करता है।  
आयुष मंत्रालय के अनुसार, पूर्वोत्तानासन के नियमित अभ्यास से हाथों, पैरों और पीठ की मांसपेशियां मजबूत बनी रहती हैं। वहीं, रीढ़ की



हड्डी में लचीलापन बना रहता है और शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। यह आसन थायरॉयड ग्रंथि को उत्तेजित करता है।  
पूर्वोत्तानासन थायरॉयड ग्रंथि को उत्तेजित करने में बहुत मददगार माना जाता है, और इसका कारण इसकी गर्दन और गले की मुद्रा में छिपा है। इस आसन को करने के दौरान गर्दन पीछे की ओर झुकती है, जिससे थायरॉयड ग्रंथि के आसपास रक्त का प्रवाह तेज हो जाता है।  
ज्यादा ऑक्सीजन और पोषक तत्व मिलने से ग्रंथि ज्यादा सक्रिय और संतुलित तरीके से काम करने लगती है।  
यह आसन पैरों और कूल्हों के लिए भी कंप्लीट वर्कआउट है। पूर्वोत्तानासन को करने के दौरान एड्रिनो को जमीन पर दबाकर पैरों

को सीधा रखा जाता है। इससे पिंडलियों, जांघों के पिछले हिस्से और आगे के हिस्से में तेज खिंचाव और मजबूती आती है। जो लोग दिनभर बैठे रहते हैं, उनके पैरों की जकड़न को यह आसन खोल देता है और पैरों में ताकत बढ़ाता है।  
कूल्हों को ऊपर की ओर उठाकर रखने के लिए ग्लूट्स (नितंबों की मांसपेशियां) को पूरी तरह टाइट करना पड़ता है। इससे हिप्स शेप में आते हैं, हिप जॉइंट्स को अकड़न दूर होती है और कमर के निचले हिस्से को सहाय मिलता है। यह आसन हिप फ्लेक्सर्स को स्ट्रेच करता है, जो लगातार बैठने से टाइट हो जाते हैं। नियमित अभ्यास से पैरों में स्थिरता, कूल्हों में लचीलापन और पूरे लोअर बॉडी में मजबूती आती है।  
यदि आप योग की शुरुआत कर रहे हैं, तो इस आसन को करने से पहले अपनी कलाइयों को घुमाकर थोड़ा वॉर्म-अप अवश्य कर लें। गर्दन या रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट (जैसे स्लिप डिस्क) होने पर सिर को पीछे न लटकाएं या इस आसन से बचें।

# सुबह उठते ही अकड़ जाती है कमर? इन वजहों से हो सकती है परेशानी, ऐसे पाएं राहत

**विश्व केसरी ■**  
**नई दिल्ली।** सुबह बिस्तर से उठते ही अगर कमर सीधी करने में परेशानी हो या फिर झुकने पर खिंचाव महसूस हो, तो इसे सिर्फ थकान समझकर नजरअंदाज न करें। कमर का अकड़ना एक आम समस्या है, जो कई बार गलत तरीके से सोने, लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहने या ज्यादा मेहनत करने के बाद हो सकती है। हालांकि, अगर यह समस्या बार-बार हो रही है या लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसके पीछे मांसपेशियों के अलावा रीढ़ से जुड़ी कोई परेशानी भी हो सकती है।  
कमर अकड़ने की सबसे आम वजहों में लंबे

समय तक बैठे रहना शामिल है। आजकल दफ्तर में लगातार कई घंटे कुर्सी पर बैठना या घर पर लंबे समय तक मोबाइल चलाना कमर की मांसपेशियों पर दबाव बढ़ा सकता है। जब शरीर लंबे समय तक एक ही स्थिति में रहता है, तो कमर और कूल्हों के आसपास की मांसपेशियां ठीक तरह से काम नहीं कर पातीं। इससे उठते समय अकड़न और खिंचाव महसूस हो सकता है।  
गलत तरीके से बैठना भी इस परेशानी को बढ़ा सकता है। कुर्सी पर बैठते समय लगातार आगे की ओर झुकना, कमर को सहारा न देना या मोबाइल को नीचे रखकर लंबे समय तक देखा शरीर की सामान्य बनावट पर असर डालता है।

इसी तरह बहुत देर तक खड़े रहना या अचानक भारी सामान उठाना भी कमर की मांसपेशियों में खिंचाव पैदा करता है। ऐसी स्थिति में अकड़न के साथ दर्द भी हो सकता है।  
सोने का तरीका भी कमर की अकड़न से जुड़ा हो सकता है। अगर रातभर शरीर ऐसी स्थिति में रहा, जिसमें कमर और उसके आसपास की मांसपेशियों पर ज्यादा दबाव पड़ा, तो सुबह उठने पर अकड़न महसूस होती है। कई बार कम चलना-फिरना भी इसका कारण बनता है। जब शरीर की मांसपेशियां नियमित रूप से काम नहीं करतीं, तो इससे शरीर का लचीलापन और ताकत प्रभावित होते हैं।

# रोज सुबह नाश्ते में खाएं भीगे मेवों का मिश्रण, स्वाद के साथ मिलेगी अच्छी सेहत

**विश्व केसरी ■**  
**नई दिल्ली।** दिन की शुरुआत अगर पौष्टिक खानपान से हो तो शरीर को जरूरी पोषक तत्व आसानी से मिल सकते हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश ने सोशल मीडिया पर प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए सुबह की डाइट में मेवों को शामिल करने की सलाह दी है। पोस्ट में बादाम, अखरोट और किशमिश जैसे मेवे से मिलने वाले कई जरूरी पोषक तत्वों के बारे में भी बताया गया है।  
सुबह के समय भीगे हुए मेवों का मिश्रण लेना एक आसान और

पौष्टिक विकल्प हो सकता है। रात में मेवों को भिगोकर रखने और सुबह खाने का चलन भारतीय घरों में लंबे समय से देखा जाता है लेकिन अगर आप मेवों को भिगीना भूल जाते हैं तो इन्हें सामान्य रूप से भी संतुलित मात्रा में खा सकते हैं।  
बादाम पोषण से भरपूर मेवों में शामिल है। इसमें विटामिन-ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन और हेल्दी फैट्स पाए जाते हैं। विटामिन-ई शरीर के लिए एक महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट है, जबकि मैग्नीशियम शरीर की कई सामान्य जैविक प्रक्रियाओं में भूमिका निभाता है। सुबह के नाश्ते में सीमित मात्रा में बादाम शामिल करना डाइट

को पौष्टिक बनाने का एक सरल तरीका हो सकता है।  
वहीं, अखरोट को ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स का अच्छा स्रोत माना जाता है। इसे सीधे खाया जा सकता है या फिर ओट्स, दलिया, दही अथवा फलों के साथ भी शामिल किया जा सकता है।  
किशमिश स्वाद में मीठी होने के साथ पोटेशियम, आयरन और फाइबर जैसे पोषक तत्व भी देती है, हालांकि इसमें प्राकृतिक शर्करा की मात्रा

अपेक्षाकृत अधिक होती है। इसलिए इसे भी संतुलित मात्रा में खाना बेहतर है। खासकर डायबिटीज या ब्लड शुगर से जुड़ी समस्या वाले लोगों को अपनी व्यक्तिगत डाइट के अनुसार मात्रा तय करनी चाहिए।  
भीगे बादाम, अखरोट और किशमिश को मिलाकर लिया जाए तो सुबह के आहार में अलग-अलग पोषक तत्व शामिल किए जा सकते हैं, लेकिन यह याद रखना जरूरी है कि कोई एक खाद्य पदार्थ संपूर्ण पोषण का विकल्प नहीं है।

**DR. PRAJWAL SONI**  
M.B.B.S., M.D.  
Obstetrics & Gynaecologist  
colposcopist  
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

**Mo. 9827189170**  
**9200668168**

**Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home**

**📍 Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.)**  
**📍 Amapara, Pitalband Road, Rajim, Gariyaband (C.G.)**  
**✉️ drprajwalsoni@gmail.com**

**📞 911677722**  
**📞 7509007388**

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

**पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, ट्रांली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टैंकर, बेटरी स्पेयर, स्पेयर**

**निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग**

**सिंचाई एवं बागवानी किसानों हेतु उपयुक्त**

**निर्माता व विक्रेता:**

**वीनस मशीनरी**

**एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)**  
**फोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000**

**Diwali Special Offer**

**विक्रय के बराबर (अप्रैल 2027)**

**लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक**

**एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी**

**सस्ते दामों में उपलब्ध**

**पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये**

**बजाज फाईनेस की सुविधा उपलब्ध**

**गौंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401**

**RAIPUR SMART BUSINESS**

**GST ITR**

**फाइल बनवाएं मात्र 500/-**

**25 वर्ष का अनुभव**

**• CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्ट**  
**• फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफंड**

**हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।**

**संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants**  
**C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर**

**Whatsapp पर बनवाएं** **9300755544, 8878655544**

Discover the new meaning of pleasure

**Noorjaha Prime**

**DINING • BUFFET • ROOFTOP • LIVE BARBEQUE KITCHEN**

**City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.**  
**83700 09993**

**:H.O.:**  
**• Madarsa Road Baijnathpara, Raipur. Mobile: 83700 09994**

**:OUTLETS:**  
**• Marine Drive, Telibandha, Raipur Mo: 83570 09997**





## श्री साई केयर हॉस्पिटल

शिव मंदिर के पास, अंबती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)

महीने के प्रत्येक सोमवार को फ्री ओपीडी

समय : शाम 6 बजे से 8 बजे तक



आपके स्वास्थ्य का भरोसा...

### मेडिसिन विभाग

**डॉ. जयकुमार पटेल**  
मेडिसिन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ  
(M.D. Medicine/Diabetic & Geriatric Care)

**उपलब्ध सेवाएँ:**

- हाइपर्टेंशन (मधुमेह) उपचार
- हाई ब्लड प्रेशर (रक्त प्रवाह)
- शुगर/डायबिटीज
- हार्ड डिजिज (हृदय संबंधी समस्याएं)
- किडनी व फेफड़े की रोग
- पेक्काई की समस्याएं (अस्सम, COPD)
- बुखार व संक्रमण (सायरन, टायफाइड)
- पेट की समस्याएं (रोग, अपच, एसिडिटी)
- सामान्य रोगों की जांच व उपचार
- न्यूरोलॉजिकल समस्याएं (रिज बर्ड, टॉर आदि)

### जनरल सर्जरी विभाग

**डॉ. वी.पी. सिंह**  
जनरल सर्जरी विशेषज्ञ  
(MS. General Surgery)

**उपलब्ध सेवाएँ:**

- पाचन (गastro) का ऑपरेशन
- किडनी और फेफड़ों का उपचार
- हड्डी सर्जरी (इंटरलॉक / कोमल / हाइड्रोबॉल)
- एपेंडिसाइटिस (अस्सम, COPD)
- गोले कोमल स्टेन (पेट की चर्बी) का ऑपरेशन
- ब्रेस्ट सर्जरी / ट्यूमर सर्जरी
- पेट की समस्याएं / फेफड़ों / किडनी प्रिन्सल
- हाइड्रोसेल / सर्किस्कोसी सर्जरी
- लेजर एवं स्कोपेज की सहायता से पाचन का इलाज

### कैंसर रोग विभाग

**डॉ. अखिलेश साहू**  
कैंसर रोग विशेषज्ञ  
(MD. Clinical Oncologist)

**उपलब्ध सेवाएँ:**

- कोलोरेक्टल कैंसर
- लारिंजियल कैंसर
- इन्फिल्ट्रेटिव कैंसर
- हार्मोन कैंसर-अप
- किडनी कैंसर-अप
- कैंसर की कैंसरलिंग
- ब्रेस्ट व शिशु कैंसरलिंग प्रबंधन
- पेटिका व सार्कोमा कैंसरलिंग
- कैंसर की जांच व निदान

## निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

आपका स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है।, समय पर जांच जीवन बचा सकती है।

#### गर्भवती महिला

डॉ. जयकुमार पटेल  
गर्भवती व गर्भ पर निगरानी  
(M.D. Medicine/Diabetic & Geriatric Care)

#### कैंसर रोग विशेषज्ञ

डॉ. अखिलेश साहू  
कैंसर रोग विशेषज्ञ  
(MD. Clinical Oncologist)

#### हृदय रोग विशेषज्ञ

डॉ. वी.पी. सिंह  
हृदय रोग विशेषज्ञ  
(MS. General Surgery)

**हमारी सुविधाएँ:**

- 24 घंटे अग्रिम सिरिज
- कैंसर रोग विशेषज्ञ 20 किरोमी का अस्पताल
- 4 एम.डी. की सुविधा
- ऑपरेशन थिएटर
- 24x7 फोनीली ऑन काल
- 24x7 एम्बुलेंस की सुविधा
- 24x7 एम्बुलेंस की सुविधा

**आपका स्वास्थ्य:**

- गर्भवती महिला
- कैंसर रोग विशेषज्ञ
- हृदय रोग विशेषज्ञ

**श्री साई केयर हॉस्पिटल**  
शिव मंदिर के पास, अंबती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)  
एक स्वस्थ भविष्य की ओर कदम बढ़ाएं।, आपका स्वास्थ्य हमें आपकी सबसे बड़ी गतिव है।

**0771-4020089**  
**96300-67422**

# राहुल गांधी को निर्वाचन आयोग और देश से माफी मांगनी चाहिए : संजय पाण्डेय

**विश्व केसरी■**

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और चुनावी प्रक्रिया को लेकर लगाए जा रहे आरोपों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जगदलपुर महापौर संजय पाण्डेय ने कहा कि निर्वाचन आयोग के हालिया संयुक्त बयान ने एसआईआर से जुड़े निर्णयों में आयोग के तीनों निर्वाचन आयुक्तों की सर्वसम्मति को स्पष्ट कर दिया है। ऐसे में कांग्रेस द्वारा आयोग में कथित मतभेदों को लेकर किए जा रहे दावों पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

पाण्डेय ने कहा कि राजनीतिक असहमति लोकतंत्र का हिस्सा है,

27 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में खूब्रू की वैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर निर्णय देते हुए निर्वाचन आयोग के इस अभ्यास की वैधानिक शक्ति को स्वीकार किया था। न्यायालय ने

खूब्रू को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मतदाता सूची को अधिक सटीक और विश्वसनीय बनाने से जोड़ा। उन्होंने कहा कि— 'जब देश की सर्वोच्च अदालत किसी प्रक्रिया की वैधानिकता पर निर्णय दे चुकी हो और निर्वाचन आयोग स्वयं अपने निर्णयों की प्रक्रिया को स्पष्ट कर चुका हो, तब राजनीतिक आरोपों को तथ्य और प्रमाण की कसौटी पर परखा जाना चाहिए।' **चुनाव हारने पर संस्थाओं पर सवाल उठाना उचित नहीं** - पाण्डेय ने कहा कि चुनाव में हार या जीत लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया है। किसी राजनीतिक दल को चुनावी परिणामों से असहमति हो सकती है और वह कानूनी एवं संवैधानिक माध्यमों से सवाल उठा सकता है, लेकिन हर चुनाव के बाद ईवीएम, निर्वाचन आयोग या अन्य संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता के विश्वास को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सहित सभी राजनीतिक दलों के निर्वाचित जनप्रतिनिधि इसी संवैधानिक चुनावी व्यवस्था के माध्यम से सदन में पहुंचें हैं। इसलिए व्यवस्था में कमियों की शिकायत हो तो उसका समाधान संवैधानिक और कानूनी प्रक्रिया के भीतर किया जाना चाहिए।

## नई राह, नई उड़ान: अर्जुन ने 10वीं में प्रथम

**विश्व केसरी■**

**बीजापुर (नवीन दुर्गम)।** कठिन परिस्थितियों और संघर्षपूर्ण अतीत को पीछे छोड़ अर्जुन ओयाम ने शिक्षा के क्षेत्र में सफलता हासिल कर बदलाव की नई मिसाल पेश की है। अर्जुन ने 10वीं की परीक्षा में 500 में से 335 अंक हासिल कर प्रथम श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण की है। अब उनका लक्ष्य आगे की पढ़ाई जारी रखते हुए अपने गांव के बच्चों को शिक्षा से जोड़ना है।

अर्जुन वर्ष 2010 में माओवादी संगठन में शामिल हुए थे। संगठन में रहते हुए भी उनके मन में पढ़ाई जारी रखने की इच्छा बनी रही। अक्टूबर 2025 में जगदलपुर में 210 सशस्त्र माओवादियों के साथ आत्मसमर्पण करने के बाद उन्होंने अपने जीवन को नई दिशा देने और शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने का संकल्प लिया। आत्मसमर्पण के बाद अर्जुन ने 10वीं की परीक्षा की तैयारी शुरू की। इस दौरान पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका लगातार

मनोबल बढ़ाया और पढ़ाई के लिए आवश्यक किताबें एवं अन्य संसाधन उपलब्ध कराए। परीक्षा फॉर्म भरने से लेकर परीक्षा की तैयारी तक उन्हें आवश्यक सहयोग दिया गया। अर्जुन के साथ उनके सात अन्य साथियों ने भी 10वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। अर्जुन की सफलता उनके दृढ़ संकल्प, मेहनत और जीवन में सकारात्मक बदलाव की ओर बढ़ते कदम को दर्शाती है। पुलिस अधिकक्ष ब्रिजापुर उमेश

प्रसाद यादव ने अर्जुन को उनकी सफलता पर बधाई दी। उन्होंने आगे की पढ़ाई के लिए आवश्यक सहयोग हरसंभव उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। अब अर्जुन का अगला लक्ष्य 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करना है। इसके बाद वह अपने गांव तोड़का में बच्चों को शिक्षा से जोड़कर शिक्षादूत के रूप में काम करना चाहते हैं। उनका सपना है कि गांव के बच्चे पढ़ें, आगे बढ़ें और शिक्षा के माध्यम से अपने गांव एवं पूरे क्षेत्र के विकास में योगदान दें। अर्जुन का यह सफर बताता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, मेहनत और सही मार्गदर्शन के साथ जीवन को नई दिशा दी जा सकती है। अब उनका सपना बंधूक नहीं, बल्कि किताब और शिक्षा के माध्यम से गांव के भविष्य को बदलना है।

## करंट की चपेट में आकर वेल्डर, की मौत

**विश्व केसरी■**

दुर्गूकोदल (दीपक शर्मा)। नगर में बल्लब बदलते समय करंट की चपेट में आने से 36 वर्षीय वेल्डर श्याम राठौर की मौत हो गई। हादसा दुर्गूकोदल स्थित लक्ष्मी ज्वेलर्स (सोना-चांदी दुकान) में हुआ। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

दुर्गूकोदल थाना प्रभारी निरीक्षक सुनील दुबे ने बताया कि मृतक की पहचान श्याम राठौर पिता राम प्रसाद राठौर, उम्र 36 वर्ष, निवासी ग्राम छिदगांव, थाना बकावंड, जिला बस्तर के रूप में हुई है। श्याम राठौर दुर्गूकोदल में वेल्डिंग का कार्य करता था। बताया गया कि वह लक्ष्मी ज्वेलर्स दुकान में बल्लब बदलने का काम कर रहा था।

इसी दौरान अचानक विद्युत करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर दुर्गूकोदल पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने मामले में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है तथा घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

## मां लिंगेश्वरी की आरती का हुआ विमोचन, डॉ. गीता शर्मा की रचना को प्लेबैक सिंगरों ने दी आवाज

**विश्व केसरी■**

**कांकेर (सीताराम शर्मा)।** जिला स्तरीय नारी वंदन कार्यक्रम में डॉ. गीता शर्मा द्वारा रचित मां लिंगेश्वरी देवी की आरती का गरिमामय समारोह में विमोचन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक आशाराम नेतान ने की।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू, छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा तथा नगर पालिका

परिषद के अध्यक्ष श्री अरुण कौशिक सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। डॉ. गीता शर्मा द्वारा लिखित मां लिंगेश्वरी देवी की आरती को मुंबई की प्लेबैक सिंगर चन्द्राणी मुखर्जी एवं राजस्थान के प्लेबैक सिंगर सुखी ममंडा ने अपनी आवाज दी है। आरती के व्यापक स्तर पर पहचान मिलने पर

डॉ. गीता शर्मा की इस रचनात्मक उपलब्धि की सराहना की। डॉ. गीता शर्मा इससे पूर्व कांकेर स्थित मां सिंहवाहिनी देवी की आरती भी लिख चुकी हैं, जिसका गायन मुंबई के प्लेबैक सिंगर द्वारा किया गया था। इसके अलावा उनके द्वारा रचित 'सिंह वाहिनी स्तोत्र' को कांकेर के अवधेश लारिया एवं रीना लारिया ने भी अपनी आवाज दी है। यह स्तोत्र सिंहवाहिनी मंदिर की दीवार पर अंकित है और मंदिर में आरती के दौरान भक्तों द्वारा लंबे समय से दोनों समय इसका गायन किया जा रहा है। डॉ. गीता शर्मा की रचनाओं के माध्यम से कांकेर के धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को व्यापक स्तर पर पहचान मिलने पर

सुरेश चंद्र श्रीवास्तव, शिव सिंह भट्टारिया, रामशरण जैन, अवधेश लारिया, रीना लारिया, मंजू शर्मा, मुरारी देवानं, संतोष श्रीवास्तव, राजेश शुक्ला सहित अनेक लोगों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। **आज 'छत्तीसगढ़ मईया' गीत भी होगा रिलीज**

इसी क्रम में डॉ. गीता शर्मा द्वारा लिखित एवं प्रकाशित 'छत्तीसगढ़ मईया' गीत भी सोनोटोक कंपनी द्वारा रिलीज किया जा रहा है। लगातार धार्मिक एवं सांस्कृतिक रचनाओं के माध्यम से डॉ. गीता शर्मा द्वारा कांकेर और छत्तीसगढ़ की लोक-सांस्कृतिक पहचान को गीतों के माध्यम से सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है।

## किसान राईस मिल के आमसभा में शामिल हुए नितिन पोटाई

**विश्व केसरी■**

**कांकेर (सीताराम शर्मा)।** सहकारी विपणन एवं प्रक्रिया समिति मर्यादित किसान राईस मिल कांकेर का वार्षिक आमसभा समिति कार्यालय में सम्पन्न हुआ। आम सभा में वर्ष भर के आय-व्यय का विवरण समिति के किसान सदस्यों के समक्ष संस्था के प्रबंधक शंभू राम तान ने रखा। अपने उद्बोधन में प्रबंधक ने बताया कि संस्था के द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन दुकान का संचालन किया जा रहा है वहीं रासायनिक खाद, बीज एवं दवाईयों का भी विक्रय किया जा रहा है इसी प्रकार संस्था के भवनों एवं गोदामों को किराये पर दिया गया है। जिससे संस्था को लाभ प्राप्त हो रहा है। वर्ष 2025-26 में संस्था को 1,65,494.10 पैसा का शुद्ध लाभ हुआ वहीं निर्यतित वस्तुओं पर व्यापारिक लाभ 13,46,6000 रुपये का हुआ। आम सभा में संस्था के पूर्व संचालक, जिला वनोपज सहकारी संघ के अध्यक्ष एवं अजन्ता आयोग पूर्व सदस्य बतौर विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए तथा किसानों का उत्साहवर्धन किया।

## प्रधानमंत्री आवास योजना बनी जरूरतमंदों का सहारा

**विश्व केसरी■**

**चारामा (संदीप मेथ्राम)।** नगर पंचायत चारामा में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए एक मजबूत संबल बनकर उभरी है। वर्षों से कच्चे मकानों में रहने को मजबूर परिवारों को अब योजना के तहत सुरक्षित और पक्के आशियाने की सौगात मिल रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगर पंचायत चारामा में विगत 10 वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत कुल 633 आवासों की स्वीकृति मिली थी।

प्रशासन और तकनीकी अमले की निरंतर निगरानी के चलते इनमें से 624 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं, जिससे सैकड़ों परिवारों का अपने पक्के घर का सपना पूरा हुआ है। वहीं, आवासहीन परिवारों को राहत देने के

क्रम में योजना के नए चरण प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत भी नगर पंचायत चारामा को 165 नए आवासों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इस नवीन चरण पर तेजी से कार्य जारी है, जिसके अंतर्गत अब तक 12 आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा शेष आवासों पर निर्माण प्रगति पर है। पक्के आवास मिलने से हितग्राहियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सिर पर मजबूत छत मिलने से बरसात और धूप की चिंताओं से मुक्ति मिली है और उनके जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार आया है।

## सरपंच-सचिव की लापरवाही ले डूबी बस्ती को

**विश्व केसरी■**

**बकावंड (अर्जुन कुमार झा)।** सरपंच और सचिव की लापरवाही ने पूरी बस्ती को बड़ी परेशानी में डाल दिया है लगातार बरसात और जल निकासी की व्यवस्था न होने के कारण बस्ती में पानी भर गया। मुसीबत में फंसे ग्रामीणों को राहत पहुंचाने जब सरपंच और सचिव ने कोई पहल नहीं की तो, परेशान ग्रामीणों ने अपनी जंग खुद लड़ने का फैसला कर लिया। ग्रामीणों ने अपने खर्च पर लापरवाह सरपंच-सचिव को फटकार लगाने का आश्वासन दिया और मुआवजा दिलाने की बात कही है। जब कोई अधिकारी नहीं पहुंचा तो ग्रामीणों ने खुद चंदा इकट्ठा कर जेसीबी मशीन बुलाई और नाली की सफाई कर पानी की निकासी कराई।

मामला विकासखंड बकावंड अंतर्गत ग्राम पंचायत जैतीगिरि का है। यहां बारिश के कारण एक मोहल्ला पूरी तरह जलमग्न हो गया है, जिससे ग्रामीणों का निकलना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार सूचना देने के बाद भी सरपंच, सचिव और पंच मौके पर नहीं पहुंचे। सरपंच अपने निजी काम में व्यस्त रहे और मोहल्ले की सुध लेने तक की जरूरत उन्होंने नहीं समझी। परेशान होकर ग्रामीणों ने जनपद पंचायत बकावंड की अध्यक्ष सोनबारी भद्रे से संपर्क कर समस्या बताई। अध्यक्ष ने समय तक गांव का दौरा कर लापरवाह सरपंच-सचिव को फटकार लगाने का आश्वासन दिया और मुआवजा दिलाने की बात कही है। जब कोई अधिकारी नहीं पहुंचा तो ग्रामीणों ने खुद चंदा इकट्ठा कर जेसीबी मशीन बुलाई और नाली की सफाई कर पानी की निकासी कराई।

## 22 साल बाद ईसाई धर्म छोड़ छह सदस्यों ने फिर से अपनाया सनातन धर्म

**विश्व केसरी■**

**जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)।** विकासखंड जगदलपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कुंरुंदी के सुलियागुड़ा पारा में कचरा पाटी परराना माहरा समाज के नेतृत्व में एक परिवार के छह सदस्यों ने बाइस वर्षों से अपना रखे ईसाई धर्म को छोड़कर पुनः अपनी पारंपरिक संस्कृति, रीति रिवाज और सामाजिक परंपराओं से पुनः जुड़ने की इच्छा के साथ सनातन धर्म अपनाया। गांव के पारंपरिक रीति रिवाज एवं अनुसूचित विधान के अनुसार

नाइक, पाइक एवं माहरा फिर से सनातन धर्म स्वीकार समाज के समाज प्रमुखों तथा ग्रामीणों की उपस्थिति में समाज के भुर्जुय बघेल ने रुक्मणी कश्यप, बुदुरी कश्यप, बाबूलाल कश्यप, परिवार का अपनी मूल सनातन धर्म परंपरा और संस्कृति कश्यप एवं अमन कश्यप ने

## मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना से श्रद्धालुओं को मिल रहा तीर्थ दर्शन

**विश्व केसरी■**

**चारामा (संदीप मेथ्राम)।** मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत क्षेत्र के श्रद्धालुओं को विभिन्न देवस्थलों एवं प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन का अवसर मिल रहा है। शासन की इस योजना के माध्यम से श्रद्धालु धार्मिक स्थलों की यात्रा कर आस्था और श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना कर रहे हैं।

तीर्थ यात्रा पर खाना हुए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और खुशी देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के माध्यम से यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए शासन एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उनका कहना है कि इस तरह की योजनाओं से बुजुर्ग एवं अन्य

श्रद्धालुओं को अपने आराध्य देवों और धार्मिक स्थलों के दर्शन करने का अवसर मिल रहा है। इसी क्रम में चारामा क्षेत्र से तीर्थ यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं को जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों

की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर खाना किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष भुनेश्वर नागराज, जनपद अध्यक्ष जगेश्वरी भास्कर, जनपद अधिकारी कुंवर जी, नगर पंचायत चारामा के अभियंता मुकेश कोरम जी, सरपंच भोयर जी, गीता तिवारी जी सहित नगर पंचायत एवं जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए उनकी सुखद, मंगलमय एवं सुरक्षित तीर्थ यात्रा की कामना की। तीर्थ यात्रा के दौरान श्रद्धालु विभिन्न देवस्थलों के दर्शन कर धार्मिक एवं आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त कर रहे हैं।

## सरपंच संतोष कश्यप ने ली बाढ़ प्रभावित गुमड़ेल और कुरुषपाल के ग्रामीणों की सुध

**विश्व केसरी■**

**बकावंड (अर्जुन कुमार झा)।** सरपंच संतोष बकावंड के सचिव एवं ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा के सरपंच संतोष कुमार कश्यप ने बाढ़ प्रभावित ग्राम गुमड़ेल एवं कुरुषपाल का भ्रमण कर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की तथा उनकी स्थिति का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान सरपंच संतोष कुमार कश्यप ने देखा कि बाढ़ का पानी उतर जाने के बावजूद अनेक परिवार अभी भी कठिन परिस्थितियों से गुजर रहे हैं। कई घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं तथा घरों में नमी और कीचड़ बने रहने के कारण लोगों को रहने, बैठने और सोने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों को काफी कठिनाइयां झेलनी पड़ रही हैं। संतोष कुमार कश्यप ने प्रभावित परिवारों से कुंआ कर उनकी समस्याओं को सुना तथा कहा कि इस कठिन समय में समाज के सभी लोगों को एकजुट होकर प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनसेवा केवल एक दायित्व नहीं

है। विशेष रूप से बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों को काफी कठिनाइयां झेलनी पड़ रही हैं। संतोष कुमार कश्यप ने प्रभावित परिवारों से कुंआ कर उनकी समस्याओं को सुना तथा कहा कि इस कठिन समय में समाज के सभी लोगों को एकजुट होकर प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनसेवा केवल एक दायित्व नहीं

स्वातंत्र्यकारी गडबल मोडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लॉट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड उल्ला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099, स्थानीय कार्यालय **B-87A** गावडी नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी)। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होना।) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: [vishwakasari2026@gmail.com](mailto:vishwakasari2026@gmail.com), आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251